www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 भ्रष्टाचार और जंगलराज से समझौता बना...

3 नम आंखों से शहीद साथियों को अधिवक्ताओं ने...

4 देवदर्शन योजना के तहत चमकाएंगे चुलकाना...

वर्ष: 10 | अंक: 31 | दिल्ली, सोमवार, 24 नवम्बर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

## संक्षिप्त समाचार

### कल सिंध फिर भारत में आ जाए, कोई बड़ी बात नहीं!

**नई दिल्ली (एजेन्सी)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम के दौरान सिंध प्रांत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आज भले ही सिंध का इलाका भारत का हिस्सा न हो, लेकिन बॉर्डर बदल सकते हैं और यह क्षेत्र कल फिर से भारत में वापस आ सकता है। सिंध प्रांत, जो 1947 के बंटवारे के बाद पाकिस्तान में चला गया था, पर बोलते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि सभ्यता और संस्कृति के लिहाज से सिंध हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा। उन्होंने कहा कि सिंधी हिंदुओं की पीढ़ी, खासकर लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेताओं ने, सिंध को भारत से अलग होना कभी स्वीकार नहीं किया। उन्होंने आडवाणी की किताब का हवाला देते हुए बताया कि हिंदू और यहां तक कि सिंध के कई मुसलमान भी सिंधु नदी को बहुत पवित्र मानते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा, 'आज सिंध की जमीन भले ही भारत का हिस्सा न हो, लेकिन जहां तक जमीन की बात है, बॉर्डर बदल सकते हैं। कौन जानता है, कल सिंध फिर से भारत में वापस आ जाए।' इससे पहले, 22 सितंबर को मोरक्को में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत में, राजनाथ सिंह ने पीओके पर भी विश्वास जताया था।

### आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ऑर्केस्ट्रा से की ऑपरेशन सिंदूर की तुलना

**नई दिल्ली (एजेन्सी)।** भारतीय सेना के चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर एक भरोसेमंद ऑर्केस्ट्रा की तरह था, जहां हर म्यूजिशियन ने एक साथ मिलकर काम करने की भूमिका निभाई है, 22 मिनट के अंदर ही भारतीय सेना ने 9 आंतकी जगहों को तबाह कर दिया। उन्होंने कहा- मिलिट्री ऑपरेशन में हालात के बदलने के साथ बदलाव का अंदाजा लगाने की दूर की सोच दिखाई देती है। यह एक ऐसा जवाब था जो उस पल में नहीं बल्कि सालों की सोच से बना था कि कैसे इंटेलिजेंस, सटीकता और टेक्नोलॉजी मिलकर एक्शन में बदल सकती हैं। दिल्ली में एक मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में छात्र-छात्राओं से बात करते हुए आर्मी चीफ ने कहा कि- पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ हमले किए और उसके बाद भारत के सभी जवाबी हमले भी ऑपरेशन सिंदूर के तहत किए गए। उन्होंने बताया कि, न्यूक्लियर हथियारों से लैस दो पड़ोसियों के बीच करीब 88 घंटे तक चली मिलिट्री लड़ाई 10 मई की शाम को एक समझौते पर पहुंचने के बाद रुक गई है। 21वीं सदी में दुनिया में प्रतिस्पर्धा और टकराव से भरी हुई है। दुनिया में 55 से अधिक संघर्ष चल रहे हैं, जिनमें 100 से ज्यादा देश सीधे या गुप्त रूप से जुड़े हैं। बाजार भी बदल चुके हैं-राष्ट्रवाद, प्रतिबंध और संरक्षणवाद के बीच जियोइकोनॉमिक्स युद्ध जैसी रणनीति में बदल गया है।

### जी-20 शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र को मोदी ने किया संबोधित

# डीपफेक और आतंकवाद में एआई के इस्तेमाल पर रोक जरूरी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

**(एजेन्सी)।**

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का गलत इस्तेमाल रोकने के लिए एक वैश्विक समझौते की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि महत्वपूर्ण तकनीकों को वित्त केंद्रित नहीं, बल्कि मानव केंद्रित होना चाहिए।

जी-20 शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि डीपफेक और आतंकवाद में एआई के इस्तेमाल पर रोक जरूरी है। उन्होंने कहा-तकनीक की उपयोगिता राष्ट्रीय के बजाय वैश्विक होनी चाहिए। इसे ओपन सोर्स के आधार पर विकसित किया जाना चाहिए, न कि विशेष माडल के आधार पर। इसी दृष्टिकोण के आधार पर भारत का तकनीकी इकोसिस्टम बनाया गया है। इसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण लाभ हुए हैं, चाहे वह अंतरिक्ष क्षेत्र हो, एआई हो या डिजिटल भुगतान, जहां हम विश्व में अग्रणी हैं इससे एक दिन पहले शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पीएम ने ड्रग्स तस्करी और आतंकवाद के बीच गठजोड़ को दुनिया के लिए खतरा बताया था और इसके खिलाफ एक नया वैश्विक अभियान शुरू करने का प्रस्ताव रखा था।

प्रधानमंत्री ने कहा था कि मादक पदार्थों की तस्करी सिर्फ सार्वजनिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और वैश्विक सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती बन गई है। शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र में पीएम ने कहा-हम सभी को यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई का उपयोग वैश्विक हित में हो और इसका दुरुपयोग रोका जाए।

ऐसा करने के लिए हमें एक वैश्विक संधि बनानी होगी। इसमें प्रभावी मानवीय निगरानी, डिजाइन के जरिये सुरक्षा और पारदर्शिता को शामिल किया जाना चाहिए। इसके साथ ही डीपफेक, अपराध और आतंकी गतिविधियों में एआई के दुरुपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा कि एआई के इस युग में हमें अपने दृष्टिकोण को तेजी से बदलना होगा। हमें 'आज की नौकरियों' से 'कल की क्षमताओं' की ओर बढ़ना होगा। तेज नवाचार के लिए प्रतिभा को बढ़ावा देना जरूरी है। हमने दिल्ली जी-20 सम्मेलन में इस विषय पर प्रगति की थी। हमें उम्मीद है कि अगले कुछ वर्षों में जी-20 प्रतिभा में गतिशीलता के लिए एक वैश्विक ढांचा विकसित करेगा।

पीएम ने कहा कि भारत-एआई मिशन के तहत सभी लोगों तक एआई का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से हाई-परफार्मेंस कंप्यूटिंग क्षमता का विकास किया जा रहा है। भारत फरवरी 2026 में 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' विषय पर एआई इंपैक्ट शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। उन्होंने सभी जी-20 देशों को इस मुहिम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री ने वैश्विक कल्याण के लिए भारत की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करते हुए कहा कि हम सतत विकास, विश्वसनीय व्यापार और सभी की समृद्धि के लिए प्रगति के पक्ष में हैं।

# अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में बिहार दिवस समारोह का किया गया आयोजन

### 'जिस माटी में पले बढ़े हम, उसका कर्ज चुकाएंगे'

**संजना भारती संवाददाता**

**नई दिल्ली।** नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में बिहार दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने पारंपरिक गीतों के माध्यम से लोगों को बिहार की समृद्ध संस्कृति से परिचित कराया।

कार्यक्रम में उन्होंने उजर बगुला बिन, पिपरो न शोभे कोयल बिना बगिया ना शोभे राजा, पटना से बैदा बुलाई दा नजरआ गईली गुईंया, राम जी से पूछे जनकपुर की नारी बता द बबुआ लोगवा गीत काहे गारी बता दे बबुआ, मांगी ला हम वरदान हे गंगा मैया, मांगी ले हम वरदान, दमा दम मस्त कलंदर तथा बिहार गौरव गान जिस धरा पर हमने जन्म लिया, वही हमारा मान है ये बिहार

की धरती तुझपे जीवन कुर्बान है, हर दिल में बसता प्यार जहां पर, गंगा प्यार की बहती है, नालंदा और बोधगया का गौरव तुझ में समाया है, जिस माटी में पले बढ़े हम, उसका कर्ज चुकाएंगे सहित अनेक पारंपरिक गीतों का गायन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रोताओं ने उनके साथ सुर में सुर मिलाकर गर्व से कहना हम हैं बिहारी, अपनी यही पहचान है गीत को गाया।

# धर्म की वास्तविक प्रेरणा और भगवान की दिव्य वाणी है श्रीमद्भगवदगीता: योगी आदित्यनाथ

**संजना भारती संवाददाता**

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता के 18 अध्यायों के 700 श्लोक को भारत का हर सनातन धर्मावलंबी जीवन का मंत्र मानकर आदर भाव के साथ आत्मसात करने का प्रयास करता है। श्रीमद्भगवदगीता नई प्रेरणा देती दिखाई देती है। श्रीमद्भगवदगीता धर्म से ही शुरू होती है और अंत में भी उसी मर्म के साथ विराम लेती है। श्रीमद्भगवदगीता धर्म की वास्तविक प्रेरणा है। भारत की मनीषा ने धर्म को कर्तव्य के साथ जोड़कर देखा है। हमने धर्म को उपासना विधि मात्र नहीं माना है। उपासना विधि उसका छोटा सा भाग है। हर व्यक्ति अपने पंथ, संप्रदाय, उपासना विधि के अनुरूप आस्था को तय कर लेता है, लेकिन मुख्य रूप से धर्म हमारे यहां जीवन जीने की कला है। हमने इसे ही वे ऑफ लाइफ के रूप में कहा है।

मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में रविवार को यह बातें कहीं।

सीएम योगी ने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता भगवान की दिव्य वाणी है। सीएम ने श्लोक धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः को सुनाया। उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं भी ऐसा नहीं होता होगा, जहां युद्ध का मैदान धर्म क्षेत्र के रूप में जाना जाता हो, लेकिन हमने हर कर्तव्य को पवित्र भाव के साथ माना है। अच्छा करेंगे तो पुण्य और गलत करेंगे तो पाप के भागीदार बनेंगे। यह मानकर हर सनातन धर्मावलंबी अच्छा करने का प्रयास करता है। भारत ने विश्व मानवता को प्राचीन काल से ही संदेश दिया है। हमने कभी नहीं कहा है कि जो मैं कह रहा हूं, वही सब कुछ है या हमारी उपासना विधि सर्वश्रेष्ठ है। सब कुछ होते हुए भी हमने कभी श्रेष्ठता का डंका नहीं पीटा। जो भी आया, उसे शरण दिया। जिसके ऊपर भी विपत्ति और चुनौती आई, सनातन धर्मावलंबी उसके सहयोग के लिए खड़ा हो गया।

सीएम योगी ने कहा कि भारत की भूमि ने जियो और जीने दो की प्रेरणा दी। अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् की प्रेरणा भी भारत की धरती ने ही दी है। हमने पूरी भारत की धरती को धर्म क्षेत्र माना, इसलिए युद्ध का मैदान भी हमारे लिए धर्म क्षेत्र है। यह कर्तव्यों से जुड़ा हुआ क्षेत्र है, क्योंकि धर्म क्षेत्र में युद्ध भी कर्तव्यों के लिए लड़ा जा रहा है। सीएम ने कहा कि अंत में धृतराष्ट्र पूछ ही पड़ते हैं कि बताओ तो क्या होने जा रहा है। इस युद्ध का क्या परिणाम है तो उन्हें बताया जाता है कि युद्ध का परिणाम तो पहले से तय है: यत्र योगेश्वरः कृष्णो यत्र पार्थो धनुर्धरः।

तत्र श्रीर्विजयो भूतिर्ध्रुवा नीतिर्मतिर्मम॥

हम मानते रहे हैं कि यतो धर्मस्ततो जयः-जहाँ धर्म और कर्तव्य होगा, वहीं जय होनी है। अधर्म के मार्ग पर चलने वाले की कभी विजय नहीं हो सकती। यही भारत के सनातन धर्म की परंपरा व प्रकृति का अटूट नियम है।

सीएम योगी ने आज के समय के लिए दो उदाहरण भी दिए। कहा कि स्वधर्मे निधनं श्रेयः, परधर्मो भयावहः यानी अपने धर्म और कर्तव्य पर चलकर मृत्यु को वरण करना श्रेयस्कर है, लेकिन स्वार्थ के लिए कर्तव्य से च्युत होना पतन का कारण बनेगा। कभी भी धोखे से यह मत करना। भगवान ने कर्म की प्रेरणा दी, वह कर्म, जिसमें फल की इच्छा न हो। सीएम ने कहा कि बीज लगते ही हम फल की इच्छा करते हैं। बीज सही लगेगा तो पेड़ फलेगा और फल दे ही देगा। भगवान श्रीकृष्ण ने भी निष्काम कर्म की प्रेरणा दी। सीएम योगी ने मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघ चालक डॉ. मोहन भागवत को निष्काम कर्म का प्रेरणास्रोत बताया। बोले-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी महोत्सव के कार्यक्रम से जुड़ रहा है। दुनिया से आए अंबेसडर, हाई कमिश्नर्स हमसे पूछते हैं कि आप लोगों का आरएसएस से जुड़ाव है, तब हम कहते हैं कि हां! हमने स्वयंसेवक के रूप में कार्य किया है। वे इसकी फंडिंग का पैटर्न पूछते हैं, तब हम बताते हैं कि यहां ओपेक के देश या इंटरनेशनल चर्च पैसा नहीं देता। यहां संगठन समाज के सहयोग से खड़ा हो रहा है और समाज के लिए हर क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करता है। किसी भी पीड़ित की जाति, मत-मजहब, क्षेत्र, भाषा की परवाह किए बिना हर स्वयंसेवक उसकी सेवा को ही अपना कर्तव्य मानता है। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ हर पीड़ित संग खड़ा होना (जो भारत को परम वैभव तक ले जाने में सहायक हो सकता है) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा है। आरएसएस ने पिछले 100 वर्षों में सेवा के साथ कोई सौदेबाजी नहीं की, लेकिन कुछ लोगों ने दुनिया व भारत में सेवा को ही सौदे के माध्यम बनाया है। वे लोभ, लालच और दबाव से भारत की डेमोग्राफी को बदलने के लिए छल व छद्म का सहारा लेकर अपना ताना-बाना बदलकर भारत की आत्मा पर प्रहार करने का प्रयास कर रहे हैं। इन स्थितियों में भगवान की वाणी श्रीमद्भगवदगीता नई प्रेरणा बन सकती है।

सीएम ने स्वामी ज्ञानानंद का अभिनंदन करते हुए कहा कि उन्होंने जिओ गीता को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में इसे बहुत छोटे-छोटे उदाहरण के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। श्रमिक, किसान, महिला, छात्र, नौजवान, नौकरीपेशा, चिकित्सक, अधिवक्ता, व्यापारी, योद्धा, सैनिक के लिए गीता की प्रेरणा क्या है, उन्होंने इसे जिओ गीता के माध्यम से प्रस्तुत किया है। उनकी छोटी-छोटी पुस्तकें अत्यंत प्रेरणादाई होती हैं। श्रीमद्भगवदगीता केवल जेल के कैदियों के लिए नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों के लिए दिव्य मंत्र है। यह जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त करने के साथ ही जीवन जीने की कला का मार्ग है। हर व्यक्ति को इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

इस दौरान मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघ चालक डॉ. मोहन भागवत, जियो गीता के संस्थापक स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, अखिल भारतीय आचार्य महासभा के महासचिव स्वामी परमात्मा नंद जी, श्रीधराचार्य जी महाराज, संतोषाचार्य जी महाराज सतुआ बाबा, स्वामी धर्मेंद्र दास जी महाराज, रामचंद्र दास जी महाराज, स्वामी शशिकांत दास जी महाराज, रामलाल, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, कार्यक्रम संयोजक मणि प्रसाद मिश्र आदि मौजूद रहे।

### श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी पुरब के उपलक्ष्य में 25 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित

**संजना भारती संवाददाता**

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार ने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी पुरब के पावन अवसर पर 25 नवंबर 2025 (मंगलवार) को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। यह दिन दिल्लीवासियों को गुरु साहिब जी के अद्वितीय बलिदान, दिव्य उपदेश और मानवता की रक्षा के प्रति उनके अटूट संकल्प को स्मरण करने का अवसर प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का जीवन और शहादत अत्याचार, अन्याय और धार्मिक असहिष्णुता के विरुद्ध अनंत प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब जी न केवल सिख पंथ के पूज्य नवें गुरु थे, बल्कि संपूर्ण मानवता के रक्षक भी थे, जिनके सर्वोच्च बलिदान ने हर व्यक्ति के धर्म और अंतरात्मा की स्वतंत्रता की रक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु साहिब जी का अतुलनीय त्याग, निस्वार्थ सेवा, निरभयता और सरबत दा भला का संदेश इतिहास के पन्नों में अमर है। तीन सदियों बाद भी उनके पावन उपदेश शांति, समानता, भाईचारे और मानवीय मूल्यों की ओर हमारा पथप्रदर्शन करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सार्वजनिक अवकाश केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि दिल्ली सरकार की ओर से श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के पवित्र जीवन और उनके सर्वोच्च बलिदान को समर्पित एक भावपूर्ण और आदरपूर्ण श्रद्धांजलि स्वरूप पहल है।

# सरस आजीविका मेला शिल्पकारों और खरीदारों को एक मंच पर लाने के साथ देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता में भी देता है योगदान: सीएम

**संजना भारती संवाददाता**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरस आजीविका मेला शिल्पकारों और खरीदारों को एक मंच पर लाने के साथ-साथ देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता में भी योगदान देता है। हम सबको अपने शिल्पकारों द्वारा बनाई गई वस्तुओं पर गर्व करना चाहिए और उनके द्वारा बनाये उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए। ऐसा करके हम अपने क्षेत्र के शिल्पकारों तथा लघु उद्यमियों की मदद कर सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रविवार को पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित परेड ग्राउंड में आयोजित सरस आजीविका मेला-2025 के समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न राज्यों की महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यों, शिल्पकारों व कारीगरों द्वारा लगाए गए विभिन्न उत्पादों के स्टॉलस का अवलोकन किया और उत्पादों में गहरी रूचि दिखाई। उन्होंने महिलाओं की कला और कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारी बहनें स्वदेशी उत्पादों का निर्माण कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सकंल्प और वोकल फॉर लोकल की भावना को मजबूत करने में अपना अहम योगदान दें रही हैं। उन्होंने महिला उद्यमियों से आह्वान किया कि वे ऐसे उत्पादों का निर्माण करें जो गुणवत्ता और शिल्प की दृष्टि से विदेश उत्पादों को कड़ी टक्कर दें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा राज्य ग्राम आजीविका मिशन के दो ऑनलाइन पोर्टल- स्वापन डिजिटल ग्राम बाजार पोर्टल और सांझा बाजार सेल्स पोर्टल का शुभारंभ किया।

स्वापन डिजिटल ग्राम बाजार पोर्टल एक एकीकृत ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से हरियाणा के स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की वैश्विक स्तर पर प्रदर्शन और बिक्री की जा सकेगी। इस पहल से ग्रामीण महिलाओं की आजीविका बढ़ेगी और आर्थिक स्वतंत्रता सुदृढ़ होगी। यह ऑनलाइन खुदरा मंच एसएचजी को अपने उत्पाद पंजीकृत करने, ऑर्डर प्राप्त करने, बिक्री का रिकॉर्ड देखने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के ग्राहकों तक पहुँचने की सुविधा प्रदान करेगा। इसी प्रकार सांझा बाजार सेल्स पोर्टल के माध्यम से एसएचजी को निरंतर बाजार उपलब्धता, स्टॉल आवंटन में पारदर्शिता, रियल-टाइम सेल्स ट्रैकिंग तथा उत्पाद प्रदर्शन के विश्लेषण जैसी सुविधाएं प्राप्त होंगी। यह पोर्टल सांझा बाजार, बस स्टैंड शॉप्स, ग्राम दुकानों, कैंटीन, सरस मेला और मॉल स्टॉल्स के अंतर्गत आने वाली सभी परिचालन गतिविधियों को एकीकृत करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें खुशी है कि इस मेले में हमारी बहनों की भागीदारी अधिक है।

# लाल किले में गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत का भव्य समागम शुरू

**संजना भारती संवाददाता**

**नई दिल्ली।** लाल किला परिसर में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस के पावन उपलक्ष्य में आयोजित तीन-दिवसीय भव्य समागम का शुभारंभ आज श्रद्धा और पूरे धार्मिक सद्भाव के साथ शुरू हो गया।

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता इस भव्य कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का जीवन अत्याचार, धार्मिक असहिष्णुता और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की पूर्ण और जीवंत मिसाल है। वे न केवल सिख धर्म के महान गुरु थे, बल्कि संपूर्ण मानवता के संरक्षक भी थे। उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा की। दिल्ली में ऐसा भव्य कार्यक्रम पहली बार आयोजित किया जा रहा है। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम हैं और इन्हें देखने देश-विदेश से संगत पहुंच रही है।

दिल्ली सरकार और दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने शिरकत की। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री मनजिंदर सिंह सिरसा, श्री कपिल मिश्रा के अलावा सिख समाज के गणमान्य लोग व आम जन भी भारी संख्या में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर गुरु साहिब के पावन चरणों में नमन करते हुए कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी का जीवन अत्याचार, अन्याय और धार्मिक असहिष्णुता के सामने अडिग साहस और अटूट त्याग की मिसाल है। उन्होंने कहा कि नौवें पातशाह ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा की और मानवता को ऐसा आदर्श दिया, जो सदियों तक प्रेरणा देता रहेगा।

# सम्पादकीय

## नई श्रम संहिताएँ

21 नवंबर 2025 से लागू हुई चार नई श्रम संहिताएँ-वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संहिता, सिर्फ कानूनों का पुनर्गठन भर नहीं हैं, बल्कि यह आधुनिक अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पहचानने वाला ढाँचा है। सरकार इसे आजादी के बाद का सबसे बड़ा श्रम सुधार बता रही है, जबकि ट्रेड यूनियनें इसे श्रमिक-अधिकारों पर तलवार मान रही हैं। परंतु सच यह है कि इन संहिताओं के भीतर अवसर और जोखिम दोनों छिपे हुए हैं और वास्तविक फर्क इनकी जमीनी क्रियान्वयन-क्षमता ही तय करेगी। सबसे पहले, इन संहिताओं का सबसे सकारात्मक तत्व यह है कि वे भारत की श्रम व्यवस्था को एकीकृत, सरल और दस्तावेजी बनाती हैं। नियुक्ति पत्र अनिवार्य होना, न्यूनतम वेतन का सार्वभौमिक अधिकार, गिग और प्लेटफॉर्म कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ना तथा 40 वर्ष से अधिक उम्र के श्रमिकों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण, ये ऐसे कदम हैं जिन्हें लंबे समय से औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनने की प्रतीक्षा कर रहे करोड़ों कर्मचारियों को एक नई पहचान देते हैं। यह कानूनी ढांचा न केवल श्रमिकों की आर्थिक सुरक्षा बढ़ा सकता है, बल्कि पारदर्शिता और उत्तरदायित्व भी मजबूत कर सकता है। लेकिन, यह तस्वीर का सिर्फ एक भाग है। दूसरी ओर, इन संहिताओं में नियोक्ता-पक्षीय प्रावधान भी हैं- विशेषकर छंटनी की मंजूरी सीमा को 100 से बढ़ाकर 300 कर्मचारियों तक ले जाना। इसे उद्योग-अनुकूल लचीलेपन के नाम पर प्रस्तुत किया गया है, लेकिन इसका अर्थ है कि हजारों इकाइयाँ अब बिना सरकारी अनुमति के बड़े पैमाने पर छंटनी कर सकेंगी। यह संभावना वास्तविक चिंता पैदा करती है कि कहीं श्रम-बाजार में स्थायित्व के बदले अस्थिरता न बढ़ जाए। इसी प्रकार, कार्य-घंटों में बढ़ोतरी और औद्योगिक विवादों में उच्चतर अनुपालन-सीमा श्रमिकों को दबाव में डाल सकती है। नई संहिताएँ महिलाओं के लिए सुरक्षित रात्रिकालीन कार्य की अनुमति देती हैं। यानि यह एक सराहनीय बदलाव है। पर यह तभी प्रभावी होगा जब सुरक्षा-प्रबंध, परिवहन और निगरानी-तंत्र उतनी ही गंभीरता से लागू हो। अन्यथा, सहमति आधारित रात्रि-कार्य कागज पर सशक्तिकरण और जमीनी स्तर पर अतिरिक्त जोखिम बनकर रह सकता है। समान वेतन और समान अवसर का अधिकार तभी सार्थक होगा जब निजी व सरकारी दोनों क्षेत्र व्यावहारिक उपायों में निवेश करें। सामाजिक सुरक्षा संहिता में गिग और प्लेटफॉर्म कर्मियों को औपचारिक ढाँचे से जोड़ना ऐतिहासिक है-किन्तु इसका परिणाम पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि योगदान का मॉडल कैसा बनेगा, नियमन कितना पारदर्शी होगा और अधिकारियों की जवाबदेही कैसे तय होगी। यदि सामाजिक सुरक्षा कोष के स्त्रोत स्पष्ट न हों, तो यह कदम एक बार फिर प्रतीकात्मकता में बदलने का जोखिम रखता है। औद्योगिक संबंध संहिता में त्वरित विवाद-निपटान, रिस्किलिंग फंड और निश्चित अवधि के रोजगार को औपचारिक मान्यता जैसे सुधार उद्योगों के लिए सकारात्मक माने जा सकते हैं। परन्तु इन सबके बीच यह भी जरूरी है कि श्रमिकों और ट्रेड यूनियनों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिले, और संवाद-तंत्र महज औपचारिक न होकर वास्तविक भागीदारी पर आधारित हो। मुद्दा यह नहीं कि संहिताएँ अच्छी हैं या बुरी। मुद्दा यह है कि क्या भारत उस संस्थागत क्षमता, नियामकीय मजबूती और राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ इस परिवर्तन को जमीन पर उतारने को तैयार है। पुराने श्रम कानूनों की सबसे बड़ी विफलता उनकी जटिलता नहीं, बल्कि उनका कमजोर क्रियान्वयन था। यदि नई संहिताएँ भी इसी राह पर चलीं, तो सुधार सिर्फ. स्लोगन बनकर रह जाएगा। बहरहाल, इन संहिताओं का वादा एक ऐसे श्रम बाजार का है जो पारदर्शी भी हो, उद्योग-अनुकूल भी और श्रमिकों के लिये सुरक्षात्मक भी। पर यह संतुलन केवल नियमों से नहीं, बल्कि विश्वसनीय निगरानी, निष्पक्ष प्रवर्तन और श्रमिकों के हितों को केंद्र में रखकर ही संभव होगा। यदि सरकार इस दिशा में सुसंगत और संवेदनशील कदम उठाती है, तो यह सुधार भारत के श्रम परिदृश्य को भविष्य-तैयार और अधिक न्यायसंगत बना सकता है। लेकिन यदि इनका क्रियान्वयन कमजोर रहा, तो यह वही कहानी दोहराएगा-यानि बड़े वादों के नीचे दबा हुआ श्रमिक का वास्तविक संघर्ष।

## जयंती

### छोटूराम

जन्म–24 नवम्बर, 1881, रोहतक; मृत्यु–9 जनवरी, 1945, लाहौर, भारत के स्वाधीनता सेनानी तथा राजनेता थे। गरीबों के बंधु के रूप में वह 'रहबर ए आजम' कहे जाते थे। सर चौधरी छोटूराम शारीरिक रूप से छोटे कद के व्यक्ति थे, लेकिन उनके व्यक्तित्व का कद बहुत बड़ा था। वे दीन दु:खियों और गरीबों के बंधु, अंग्रेज हुकूमत के लिये 'सर' तो किसानों के लिये मसीहा थे। चौधरी छोटूराम का वास्तविक नाम राय रिछपाल था, लेकिन परिवार में सभी प्यार से उन्हें 'छोटू' कहकर पुकारते थे, फिर स्कूल के रजिस्टर में भी जाने-अंजाने इनका नाम छोटूराम ही दर्ज कर लिया गया और यहीं से बालक राय रिछपाल का वास्तविक नाम छोटूराम हो गया।

## पुण्यतिथि

### गुरु तेग बहादुर

जन्म: 18 अप्रैल, 1621 ई.; मृत्यु: 24 नवम्बर, 1675 ई., सिक्खों के नौवें गुरु थे। विश्व के इतिहास में धर्म एवं सिद्धांतों की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में इनका अद्वितीय स्थान है। तेग बहादुर जी के बलिदान से हिंदुओं व हिन्दू धर्म की रक्षा हुई। हिन्दू धर्म के लोग भी उन्हें याद करते और उनसे संबंधित कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। तेग बहादुर सिंह 20 मार्च, 1664 को सिक्खों के गुरु नियुक्त हुए थे और 24 नवंबर, 1675 तक गद्दी पर आसीन रहे।

## कल मिलेंगे

**पति**–तुम्हारे डैडी की मजाक करने की आदत गई नहीं अभी तक
**पत्नी**–क्यों क्या हुआ?
**पति**–आज फिर कॉल करके पूछ रहे थे
कि मेरी बेटी के साथ खुश तो हो....

## संजना भारती दैनिक

**भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

**RNI No. : DELHIN/2016/70240**

**Phone No.: 9871221635**

**E-mail ID:** sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

# भ्रष्टाचार और जंगलराज से समझौता बना कांग्रेस की हार

**कांग्रेस ने आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबे लालू परिवार के जरिए चुनावी वैतरणी पार करने का गलत निर्णय लिया। यह जानते हुए भी कि मतदाता इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। अपराधी परिवार के साथ चुनावी तालमेल की कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ गई। भाजपा और मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने लालू यादव के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार और जंगलराज को प्रमुख मुद्दा बनाया**

-योगेन्द्र योगी

**केंद्रीय** जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने पिछले महीने आईआरसीटीसी होटल घोटाला मामले में 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए। सीबीआई के अनुसार, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी प्रसाद यादव के अलावा राज्यसभा सदस्य प्रेमचंद गुप्ता, उनकी पत्नी सरला गुप्ता, आईआरसीटीसी अधिकारियों, कोचर ब्रदर्स समेत कुल 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिए गए थे। यह खबर पूरे देश में पढ़ी-सुनी गई। यदि किसी ने नहीं देखी तो वह है कांग्रेस पार्टी ने। कांग्रेस ने लालू यादव के भ्रष्टाचार और जंगलराज के अन्य मामलों की तरह इसे भी नजरांदाज कर दिया। कांग्रेस यह भूल गई कि यदि ऐसे मामलों की अनदेखी की गई तो मतदाता भी उसे भूल जाएंगे। बिहार विधानसभा चुनाव में यही हुआ। मतदाता भूल गए कि कांग्रेस भी एक राष्ट्रीय और प्रमुख विपक्षी राजनीतिक दल है। कांग्रेस ने सत्ता के लिए भ्रष्टाचार से समझौता किया। मतदाताओं ने कांग्रेस के इस रवैये को मतों से ठुकरा दिया।

सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि कांग्रेस ने पिछली गलतियों से जरा भी सबक नहीं सीखा। भ्रष्टाचार और कानून–व्यवस्था आज भी देश में प्रमुख मुद्दा है। विकास और दूसरे मुद्दे इसकी नींव पर खड़े होते हैं, यदि नींव ही कमजोर होगी तो विकास की इबारत नहीं लिख पाएगी। कांग्रेस ने बिहार में लालू यादव की पार्टी से सत्ता के लिए समझौता कर अपने पैरों पर फिर से कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। कांग्रेस को बिहार विधानसभा की कुल 243 सीटों में से मात्र 6 सीटें मिली। इस शर्मनाक हार की जिम्मेदार खुद कांग्रेस है। कांग्रेस अब इस जिम्मेदारी से भागने के लिए फिर से वही पुराना वोट चोरी, सरकारी मशीनरी के चुनाव में दुरुपयोग का आरोप लगा रही है। अभी भी कांग्रेस इस सच्चाई का सामना करने को तैयार नहीं है कि उसने एक महाभ्रष्ट लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल से सीटों का समझौता करके भारी भूल की है। बिहार के मतदाताओं ने इन दोनों दलों को तगड़ा सबक सिखाया है।

कांग्रेस ने आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबे लालू परिवार के जरिए चुनावी वैतरणी पार करने का गलत निर्णय लिया। यह जानते हुए भी कि मतदाता इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। अपराधी परिवार के साथ चुनावी तालमेल की कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ गई। भाजपा और मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने लालू यादव के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार और जंगलराज को प्रमुख मुद्दा बनाया। कांग्रेस इसके बचाव में कोई दलील देकर मतदाताओं को संतुष्ट नहीं कर सकी। बिहार में चुनाव हो और चारा घोटाले से जुड़ी कहानियां सामने न आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। ये घोटाला ही ऐसा था कि 30 साल बाद भी लोग इसके बारे में बात करते हैं और जानने की चाहत रखते हैं। कांग्रेस ने 950 करोड़ रुपये के घोटाले में अपने प्रमुख सहयोगी और राजद प्रमुख लालू प्रसाद को गिरफ्तारी से बचाने के लिए पर्दे के पीछे से राजनीतिक चालें चलीं, लेकिन वे असफल रहीं। वर्ष 1990-96 के दौरान सामने आया चारा घोटाला बिहार पशुपालन विभाग में हुआ। इसमें अधिकारियों ने बेईमान सप्लायर्स के साथ मिलकर फर्जी बिलों के आधार पर सैकड़ों करोड़ रुपये का गबन किया। जांच में तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, नौकरशाहों और राजनेताओं की संलिप्तता सामने आई। ये सरकारी खजाने की बड़ी लूट थी।

यह घोटाला मुख्य रूप से 1990 के दशक में हुआ। इस समय लालू प्रसाद यादव बिहार के मुख्यमंत्री थे। इसका खुलासा 1996 में तब हुआ, जब चाईबासा (अब झारखंड में) के उपायुक्त अमित खरे ने पशुपालन विभाग के दफ्तरों पर छापा मारा और फर्जी बिलों के जरिए धन निकासी की गड़बड़ी पकड़ी। बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू यादव को पांच मामलों में दोषी ठहराया गया। लालू प्रसाद यादव पशुपालन घोटाले के मामलों में लालू अब तक कुल सात बार जेल जा चुके हैं। चाईबासा ट्रेजरी से अवैध निकासी के मामले में 3 अक्टूबर 2013 को पहली बार उन्हें सजा मिली थी। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्रा, जगदीश शर्मा, आर.के. राणा जैसे नेताओं और अफसरों को भी इस मामले में सजा सुनाई गई।

भ्रष्टाचार के ऐसे ढेरों मामलों के अलावा कांग्रेस लालू यादव के शासन के दौरान जंगल राज को भूल गई। लालू राज के दौरान अपराध की घटनाओं में वृद्धि हुई। अपहरण (किडनैपिंग) की वारदातें बढ़ीं। सड़क पर बढ़ती असुरक्षा भी इसमें शामिल थी।गुंडागर्दी और बाहुबल का प्रभाव थी। कई जगह दबंगों और बाहुबली नेताओं का वर्चस्व था। प्रशासन पर राजनीतिक हस्तक्षेप के आरोप लगे थे। अर्थव्यवस्था और विकास में गिरावट आंकी गई थी। उद्योग, शिक्षा और बुनियादी ढाँचे की स्थिति कमजोर हुई थी। बिहार को देश के ह्लसबसे पिछड़े राज्योंह्व में गिना जाने लगा था। वर्ष 1992 से 2004 तक, अपहरण के कुल 32,085 मामले दर्ज किए गए थे। ऐसे कितने मामले दर्ज नहीं किए गए। बिहार पुलिस की वेबसाइट के अनुसार, 2001-2005 के बीच हत्याओं की संख्या 20,000 के करीब है। 90 के दशक में स्थिति का सिर्फ. अंदाजा ही लगाया जा सकता है।

बिहार में दूसरा जंगलराज चुनावों में होने वाली हिंसा, बूथ कैप्चरिंग और धांधली से जुड़ा था, जिसका अंत भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन ने अपने कड़े चुनाव सुधारों से किया था। टी.एन. शेषन भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त 1990-1996 तक थे, तब उन्होंने इस सिस्टम को बदलने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए थे। बिहार में इन सुधारों का प्रभाव सबसे ज्यादा दिखा। इस दूसरे वाले जंगलराज में बदमाशों या राजनीतिक कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे बूथ पर कब्जा करना, वोटिंग मशीन/बैलेट पेटी उठा ले जाना या खुद वोट डाल देना,वोटरों को धमकाना या बूथ से भगा देना जैसी चीजें शामिल थी। चुनाव के दौरान हत्या और गोलीबारी आम थी। पुलिस पर भी हमले होते थे। कई जिलों में स्थानीय प्रशासन चुनाव के दौरान निष्पक्ष भूमिका नहीं निभा पाता था। बाहुबलियों का सीधा प्रभाव चुनाव प्रक्रिया में दिखता था। शेषन ने पहली बार बूथों पर केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल तैनात किए गए, जिससे राज्य पुलिस पर निर्भरता कम कर दी गई।

कांग्रेस ने लालू राज की इस सच्चाई को जानने के बावजूद राजनीतिक पैतरेबाजी से बिहार में सत्ता हासिल करने का नाकाम प्रयास किया। बिहार में वोट चोरी का अभियान चलाया गया। यह कभी चुनावी मुद्दा नहीं रहा। एसआईआर प्रक्रिया में 65 लाख वोट हटा दिए गए। यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट तक गया। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर प्रतिबंध लगाने से इंकार कर दिया। इस मुद्दे का दम तब निकल गया जब एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान किसी भी पार्टी के एजेंट ने नाम हटाने पर ऐतराज तक नहीं किया। इससे जाहिर है कि कांग्रेस ने इसे सिर्फ हवाई मुद्दा बनाया। बिहार चुनाव में कांग्रेस के पास ऐसा कोई मुद्दा नहीं था, जिस पर मतदाताओं की मोहर लगवाई जा सके। कांग्रेस भ्रष्टाचार के खिलाफ एक भी नजीर पेश नहीं कर सकी। कांग्रेस यदि गंभीर होती तो अपने शासित राज्यों में किसी एक का उदाहरण देकर मतदाताओं को विश्वास दिला सकती थी, कि वह भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस की नीति पर अमल करती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि राजद जैसे दागदार क्षेत्रीय दलों की तुलना वह एक प्रमुख राष्ट्रीय पार्टी है। सिर्फ एक राज्य में सत्ता के लिए भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों से समझौता करने की भारी कीमत पूरे देश में चुकानी पड़ सकती है। यही कीमत दूसरे राज्यों के अलावा अब कांग्रेस ने बिहार में चुकाई है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# नागरिक कर्तव्यों के अनुपालन से आर्थिक विकास को दी जा सकती है गति

**केंद्र सरकार द्वारा 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज भी उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे भारत में अति गरीब नागरिकों की संख्या तेजी से कम हो रही है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले करोड़ों नागरिकों को गरीबी की रेखा से ऊपर लाया जा सका है। भारत में लगातार कम हो रही अति गरीब नागरिकों की संख्या की प्रशंसा वैश्विक वित्तीय संस्थानों, विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष आदि, द्वारा भी समय समय पर की गई है**

-प्रहलाद सबनानी

**वित्तीय** वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार ने भारतीय नागरिकों पर करों का बोझ कम करने का ईमानदार प्रयास किया है। सबसे पहिले आयकर की सीमा को 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया (जिसका मतलब है कि 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाले नागरिकों को अब आयकर नहीं देना होगा), इसके बाद वस्तु एवं सेवा कर की दरों का युक्तिकरण करते हुए पूर्व में लागू चार दरों (5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत) को केवल दो दरों (5 प्रतिशत एवं 18 प्रतिशत) में परिवर्तित कर दिया गया। इससे भारत में 90 प्रतिशत से अधिक उत्पाद एवं सेवाओं पर करों की दर में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों की दरों में की गई उक्त कमी के चलते नागरिकों के हाथो में खर्च करने हेतु अधिक राशि की बचत हुई है और इसका प्रभाव इस वर्ष दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के शुभ अवसर पर उपभोक्ता वस्तुओं एवं सेवाओं की बिक्री में हुई भारी भरकम वृद्धि के रूप में देखने को मिला है। वर्ष 2025 के दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के समय 5.40 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि के उत्पाद एवं 65,000 करोड़ रुपए की राशि की सेवाओं की बिक्री हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी ब्याज दरों में कटौती की है। वर्ष 2025 में रेपो दर को 6.50 प्रतिशत से घटाकर 5.50 प्रतिशत तक नीचे लाया गया है, इससे भारत में नागरिकों एवं उद्योग जगत को सस्ती दरों पर ऋण की सुविधा उपलब्ध हो रही है। दिसम्बर 2025 में भी रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे ऋणों पर ब्याज दर में और अधिक कमी हो सकती है। साथ ही, अब तो केंद्र सरकार एवं कई राज्य सरकारों द्वारा भी किसानों, बुजुर्गों एवं महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ही सहायता राशि जमा की जा रही है, जिससे भारतीय नागरिकों के हाथों में अधिक मुद्रा उपलब्ध हो रही है और वे अधिक मात्रा में बाजार से उत्पादों को खरीदने में सक्षम हो रहे हैं। भारत में, हाल ही के समय में, आम जनता की क्रय शक्ति इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि मुद्रा स्फीति की दर पर भी नियंत्रण स्थापित किया जा सका है और खुदरा महंगाई की दर 2 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है, जो 10/12 वर्ष पूर्व तक 10 प्रतिशत के आसपास रहती थी। कुल मिलाकर, अब यह कहा जा सकता है कि भारत 10 प्रतिशत वार्षिक विकास दर को हासिल करने की ओर तेजी से अपने कदम बढ़ा रहा है।

केंद्र सरकार द्वारा 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज भी उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे भारत में अति गरीब नागरिकों की संख्या तेजी से कम हो रही है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले करोड़ों नागरिकों को गरीबी की रेखा से ऊपर लाया जा सका है। भारत में लगातार कम हो रही अति गरीब नागरिकों की संख्या की प्रशंसा वैश्विक वित्तीय संस्थानों, विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष आदि, द्वारा भी समय समय पर की गई है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि भारतीय नागरिकों को करों में उक्त वर्णित रियायतें देनें एवं गरीब वर्ग को मुफ्त अन्न उपलब्ध कराने एवं उनके खातों में सीधे सहायता राशि जमा कराने जैसी योजनाओं को चलाने के बावजूद केंद्र सरकार के बजटीय घाटे को लगातार कम करने में सफलता मिल रही है। केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के खंडकाल में लगभग 10 प्रतिशत तक पहुंच गया था जो प्रतिवर्ष लगातार कम होते होते वर्ष 2026 में 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आने का अनुमान लगाया गया है। यह सम्भव हो सका है क्योंकि भारत के नागरिकों द्वारा अपने नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर की राशि को ईमानदारी से सरकार के खजाने में जमा कराया जा रहा है। भारत में हाल ही के वर्षों में कर अनुपालन में काफी सुधार दिखाई दिया है।

यह सही है कि किसी भी देश में आर्थिक विकास की दर को तेज करने में, उस देश में, इस संदर्भ लागू की जाने वाली आर्थिक नीतियों का प्रभाव पड़ता है परंतु यदि उस देश में समाज भी सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का प्रयास करे तो आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज किया जा सकता है। अर्थात, समाज को अपने नागरिक कर्तव्यों पर आज और अधिक विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में संघ के स्वयंसेवकों द्वारा पंच परिवर्तन नामक कार्यक्रम को समाज के बीच ले जाने का प्रयास बड़े उत्साह से किया जा रहा है। पंच परिवर्तन कार्यक्रम में 5 बिंदु शामिल हैं-नागरिक कर्तव्य, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, समरसता एवं स्व के भाव का जागरण (इसमें स्वदेशी अर्थात देश में निर्मित उत्पादों का उपयोग भी शामिल है)। इन 5 आयामों के माध्यम से समाज परिवर्तन के कार्य को गति देने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें भारतीय नागरिकों को अपने नागरिक कर्तव्यों के अनुपालन पर भी विशेष ध्यान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। देश के कानूनों का पालन करना और उनका सम्मान करना नागरिकों की जिम्मेदारी है। इस कर्तव्य को पूरा करने से समुदाय में अनुशासन और सुरक्षा की भावना पैदा होती है। दैनिक जीवन के छोटे छोटे नियमों का पालन करने से सामाजिक अनुशासन का विकास होता है। जैसे, यातायात नियमों का पालन करना। जहां आवश्यक हो वहां वाहन कतार में लगाना। नागरिक कर्तव्य के अंतर्गत नागरिकों से अपेक्षा की जाती है कि वे विभिन्न करों का भुगतान समय पर करें एवं सही राशि का भुगतान करें। यह देश की आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक है। यदि समस्त नागरिक अपने इस कर्तव्य का पालन करते हैं तो भारत में करों की दरों को निश्चित ही और अधिक नीचे लाया जा सकता है। इसी प्रकार, राष्ट्रीय सम्पत्ति की सुरक्षा एवं रखरखाव करना भी नागरिकों का परम कर्तव्य है, जैसे सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता बनाए रखना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना। कभी कभी आम जनता को गुमराह कर आंदोलन हिंसक रूप लेते नजर आते हैं एवं परिणामस्वरूप देश में आगजनी, लूटपाट और राष्ट्रीय सम्पदा की हानि देखने को मिलती है। इस सम्बंध में समाज में जागरूकता पैदा किए जाने की आज सख्त आवश्यकता है।

वैसे भी लोकतंत्र की सफलता और स्थिरता नागरिकों की भागीदारी और कर्तव्यों के प्रति सजगता पर निर्भर करती हैं। जब नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील होते हैं और उनका ईमानदारी से पालन करते हैं तो समाज में सकारात्मक बदलाव आते हैं और देश के आर्थिक विकास की गति तेज होती है। समाज की प्रगति, सुरक्षा और समृद्धि के लिए नागरिकों की अपने कर्तव्यों प्रति संवेदनशीलता तथा कटिबद्धता आवश्यक है। देशभक्ति न केवल अपने देश के प्रति प्रेम और निष्ठा है, बल्कि अपने देश के उत्थान और सुरक्षा में योगदान भी है। एक देशभक्त नागरिक अपने नागरिक कर्तव्यों के प्रति सदैव संवेदनशील एवं जागरूक रहता है। नागरिक एवं सामाजिक अनुशासन का पालन करना ही स्वतंत्र देश में प्रतिदिन प्रकट होने वाली देशभक्ति है। नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों में मुख्य रूप से शामिल है, (1) संविधान का पालन करना एवं उसके आदर्शों और संस्थाओं, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना। (2) जिसने हमारे राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम को जन्म दिया प्रेरित होने पर उन ऊंचे आदर्शों को विकसित करना और उनका पालन करना। (3) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता उनका रख-रखाव एवं संरक्षण करना। (4) देश की रक्षा करना और आह्वान किए जाने पर राष्ट्रीय सेवा करना। (5) धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय या वर्ग मतभेदों को पार करना, भारत के लोगों के बीच एकता और भाईचारे को बढ़ावा देना, महिलाओं की गरिमा को कम करने वाली प्रथाओं को त्यागना। (6) हमारी विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना और इसे बचाना। (7) वनों, झीलों, नदियों, वन्य जीवों और प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना, जीवित प्राणियों के प्रति दया दिखाना। (8) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद, जिज्ञासा और सुधरवाद का विकास करना। (9) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करना एवं हिंसा का कठोर त्याग करना। (10) देश में ही निर्मित वस्तुओं का उपयोग करना एवं सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करना।

भारत के समस्त नागरिक यदि उक्त मौलिक कर्तव्यों का अनुपालन करते हैं तो भारत की आर्थिक विकास दर को 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष के ऊपर ले जाने में किसी प्रकार की अन्य कठिनाई आने वाली नहीं है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें अपनी ओर से देश के लिए हितकारी आर्थिक नीतियां बनाने की पूरी कोशिश कर रही हैं परंतु भारतीय नागरिक होने के नाते हमें भी अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा तभी हम सब मिलकर मां भारती को एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ कर पाएंगे।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

## खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

# यूक्रेन युद्ध खत्म करने की ट्रंप की नई कोशिश, जेलेंस्की और पुतिन की मिली-जुली प्रतिक्रिया

(एजेन्सी)।

**यूक्रेन** में जारी संघर्ष को खत्म करने को लेकर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय हलचल तेज हो गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनकी ओर से पेश की गई 28 बिंदुओं वाली योजना अभी अंतिम नहीं है। बता दें कि इस योजना में यूक्रेन को कुछ क्षेत्र छोड़ने, सेना का आकार घटाने और नाटो में शामिल न होने की शर्तें शामिल हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार ट्रंप का कहना है कि उनका उद्देश्य किसी न किसी तरह इस युद्ध को समाप्त करना है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या यह यूक्रेन के लिए उनका आखिरी प्रस्ताव है, तो उन्होंने साफ कहा कि ऐसा नहीं है। ट्रंप का कहना है कि वह चाहते हैं कि यह संघर्ष जल्द खत्म हो और इसी दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि फरवरी 2022 से यह युद्ध लाखों लोगों को प्रभावित कर चुका है और दोनों देशों की अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और स्थिरता पर इसका गंभीर असर पड़ा है।

उधर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस योजना पर ठंडी प्रतिक्रिया दी है। जेलेंस्की ने कहा है कि वह अपने प्रस्तावित विकल्पों को सामने रखेंगे और किसी भी समझौते के लिए यूक्रेन की सुरक्षा और संप्रभुता सबसे बड़ा आधार होगी। वहीं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संकेत दिया है कि वह इस योजना के बिंदुओं पर बात करने को तैयार हैं, लेकिन अगर कीव ने इसे खारिज किया तो रूसी सेना अपना अभियान जारी रखेगी।

बता दें कि ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था कि थैंक्सगिविंग के दिन यानी 27 नवंबर को इस समझौते के लिए एक उपयुक्त समय माना जा सकता है, हालांकि उन्होंने इसे लचीला भी बताया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर जेलेंस्की को यह पसंद न आए तो युद्ध आगे चलेगा और किसी न किसी समय उन्हें कोई न कोई फैसला करना ही पड़ेगा।

मौजूद जानकारी के अनुसार अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ रविवार को जिनेवा पहुंच रहे हैं, जहां इस मसौदे पर चर्चा होगी। यूरोपीय अधिकारियों के भी वहां शामिल होने की उम्मीद है।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार मानते हैं कि आने वाले दिनों में इस पहल को लेकर बड़ी कूटनीतिक गतिविधि देखने को मिल सकती है और इसका असर युद्ध की दिशा पर पड़ सकता है, जिसे लेकर सभी पक्ष सतर्क नजर बनाए हुए हैं।

इस पूरी स्थिति पर दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं और सभी उम्मीद कर रहे हैं कि किसी न किसी रास्ते से यह संघर्ष खत्म हो सके, क्योंकि इसका असर सिर्फ यूक्रेन या रूस पर नहीं बल्कि पूरे विश्व पर पड़ रहा है और इसी कारण बातचीत की हर कोशिश अहम मानी जा रही है।

# साउथ अफ्रीका का 489 रन का बड़ा स्कोर

(एजेन्सी)।

**गुवाहाटी** के बारसापारा स्टेडियम में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट अपने अहम मोड़ पर पहुंच गया है और मैच का दूसरा दिन पूरी तरह अफ्रीकी टीम के नाम रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार साउथ अफ्रीका की पहली पारी 489 रन पर सिमट गई है, जिससे भारत पर अब बड़ा स्कोर खड़ा हो गया है। बता दें कि भारत को यह टेस्ट जीतकर सीरीज बचानी है, जबकि साउथ अफ्रीका 25 साल में पहली बार भारत में टेस्ट सीरीज जीतने की कोशिश में हैं।

पहले दिन जहां भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट निकालकर मैच को नियंत्रण में रखने की कोशिश की थी, वहीं दूसरे दिन साउथ अफ्रीका ने अपनी पकड़ बहुत मजबूत कर ली है। गौरतलब है कि सेनुरन मुथुसामी और मार्को यानसेन की लंबी साझेदारी ने भारत को सबसे अधिक परेशान किया है। मुथुसामी ने बेहद धैर्य से खेलते हुए 109 रन की शानदार पारी खेली है और यह उनके टेस्ट करियर का पहला शतक रहा है। इसी तरह मार्को यानसेन ने 93 रन की पारी खेलकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। मौजूदा स्थिति यह रही कि भारत ने सुबह कसा हुआ पहला स्पेल जरूर डाला, लेकिन पिच से मदद न मिलने के कारण विकेट नहीं मिल पा रहे थे। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने कई मेडन ओवर डाले, फिर भी मुथुसामी और काइल वेरेन ने रन रोकते हुए साझेदारी को आगे बढ़ाया है। जडेजा ने काइल वेरेन को 45 रन पर आउट कर भारत को राहत दी, लेकिन इसके बाद भी रनगति पर कोई खास रोक नहीं लग पाई है।

# मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मक्का, मूंग की कीमतों में गिरावट पर केंद्र से दखल की मांग की

(एजेन्सी)।

**कर्नाटक** के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर राज्य में मक्का और मूंग की कीमतों में भारी गिरावट की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया। सिद्धरमैया ने कहा कि इस गिरावट से किसानों में गहरी चिंता पैदा हो गई है। सिद्धरमैया ने शुक्रवार को लिखे गए पत्र में कहा कि इस खरीफ मौसम में कर्नाटक में मक्का 17.94 लाख हेक्टेयर और मूंग 4.16 लाख हेक्टेयर में उगाई गई थी।

किसानों को उम्मीद थी कि मक्का की पैदावार 54.74 लाख टन और मूंग की पैदावार 1.983 लाख टन होगी। लेकिन कीमतें गिरने के कारण किसान संकट में फंस गए हैं। सिद्धरमैया ने लिखा, कीमतें भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से बहुत नीचे गिर गई हैं, जिससे किसानों में व्यापक चिंता और परेशानियां पैदा हो गई हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने मक्का के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2,400 रुपये प्रति टन और मूंग के लिए 28,768 रुपये प्रति टन तय किया है। लेकिन कर्नाटक में मक्का की मौजूदा कीमतें 1,600 से 1,800 रुपये प्रति टन और मूंग की कीमत लगभग 5,400 रुपये प्रति टन तक गिर गई हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों की औसत कीमतें भी एमएसपी से अधिक रही हैं, लेकिन बाहरी दबाव और मांग-आपूर्ति में असंतुलन के कारण कीमतें अब रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिर गई हैं।

मुख्यमंत्री के अनुसार, कर्नाटक में मक्का का 32 लाख टन अतिरिक्त उत्पादन है, जो स्थानीय उद्योगों की क्षमता से बहुत अधिक है। सिद्धरमैया ने प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया कि वे भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (एनएएफईडी), भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) को निर्देश दें कि वे मूल्य समर्थन योजना या किसी अन्य उचित व्यवस्था के तहत एमएसपी के अनुसार खरीदारी तुरंत शुरू करें।

केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में सिद्धरमैया से पूछा कि राज्य ने चयनित एथनॉल उत्पादन इकाइयों को राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ / राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ के साथ बाध्यकारी समझौते करने का निर्देश क्यों नहीं दिया, ताकि एथनॉल उत्पादन के लिए मक्का की सुनिश्चित खरीद हो सके। जोशी ने कहा कि ये एथनॉल उत्पादन इकाइयां, जिन्हें राज्य सरकार ने लाइसेंस दिया था, उन्हें एनसीसीएफ/एनएएफईडी के साथ गारंटीकृत खरीद के लिए औपचारिक समझौते करने का निर्देश दिया जाना चाहिए था, जो अब तक नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इसके लिए मानक संचालन प्रक्रिया संबंधित हितधारकों में वितरित की गई थी। उन्होंने सवाल किया, अंगुली उठाने से पहले कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को जवाब देना चाहिए कि राज्य सरकार ने एथनॉल उत्पादन इकाइयों को किसानों से मक्का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिए अनिवार्य क्यों नहीं किया?

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्थानीय खरीद नियमों को लागू करने का अधिकार राज्य सरकार के पास है, और अगर एथनॉल उत्पादन इकाइयां एमएसपी से कम कीमत पर मक्का खरीद रही हैं, तो इसका कारण राज्य सरकार द्वारा इन इकाइयों को एमएसपी पर खरीद करने के लिए उपयुक्त निर्देश न देना है।

# रणवीर सिंह के कहने पर थिरके डोनाल्ड ट्रंप जूनियर

**(एजेन्सी)**। उदयपुर में ग्रेंड वेडिंग के दौरान डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और उनकी गर्लफ्रेंड बेटिना एंडरसन ने बॉलीवुड गाने की धुन पर जमकर डांस किया है। दरअसल, झीलों के शहर उदयपुर में अमेरिकी अरबपति पद्मजा और रामा राजू मंटेना की बेटी नेत्रा मंटेना और सुपरऑर्डर के सह-संस्थापक और सीटीओ वामसी गादिराजू के संगीत समारोह का आयोजन हुआ था। स्टार्स से सजे 3 दिन के इस कार्यक्रम की शुरूआत शुक्रवार 21 नवंबर से हुई। करण जौहर द्वारा आयोजित संगीत समारोह एक यादगार रात थी, जिसमें रणवीर सिंह, शाहिद कपूर, कृति सनोन और वरुण धवन जैसे बॉलीवुड के टॉप स्टार्स ने अपनी परफॉर्मेंस दीं। लेकिन एक पल सामने आया जिसने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं-रणवीर सिंह ने ट्रम्प जूनियर और एंडरसन को रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के अपने हिट गाने "व्हाट झुमका?" पर थिरकने पर मजबूर कर दिया। जब एक्टर ने मेहमानों को मजाकिया अंदाज में मंच पर खींच लिया, तो वे खुशी से झूम उठे। इस अचानक हुए डांस का वीडियो, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस वीडियो में ट्रंप जूनियर और एंडरसन पहले तो साथ में नाचते हुए दिखाई दे रहे हैं, हालांकि, रणवीर ने बॉलीवुड के हिंदी गाने पर नचाया। बेटिना गोल्डन रंग के लहंगा-चोली में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, जबकि रणवीर काले रंग के फॉर्मल सूट में बेहद खूबसूरत लग रहे थे। एक्टर मंच पर मौजूद सभी लोगों को सिम्बा के गाने "आंख मारे" पर डांस करवाया और गली बॉय का गाना "अपना टाइम आएगा" गाकर मेहमानों का मनोरंजन किया।

# नम आंखों से शहीद साथियों को अधिवक्ताओं ने किया याद

## ■ बम ब्लास्ट की जांच सीबीआई को सौंपने की अधिवक्ताओं ने की मांग

कलेक्ट्रेट में बम ब्लास्ट की बरसी पर शहीद अधिवक्ताओं को याद करते हुए अधिवक्तागण। (छायाः एसबी)

**एसबी संवाददाता**

**वाराणसी।** 18 साल पहले बनारस कचहरी सिरियल ब्लास्ट में शहीद हुए साथियों को याद करने के लिए रविवार को दोपहर ग्यारह बजे अधिवक्ता एकत्रित हुये। शहीद स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर मोमबत्ती जलाये। पुरा कैम्पस शहीद भोला सिंह अमर रहे, शहीद ब्रह्मप्रकाश शर्मा अमर रहे, शहीद बुद्धि राज पटेल अमर रहे के नारों से गुंज उठा।

अधिवक्ताओं मे बनारस बार अध्यक्ष सतीश तिवारी, महामंत्री शशांक श्रीवास्तव, पुर्व महामंत्री नित्यानंद राय, प्रेम प्रकाश सिंह गौतम, सत्य प्रकाश सिंह सुनील, राहुल श्रीवास्तव, गौतम कुमार झा, अंकुर प्रकाश आदि रहे।

बता दें 23 नवम्बर 2007 को दिन में दो बजे के आसपास पहले दिवानी कचहरी कैम्पस में और उसके दो मिनट बाद कलेक्ट्रेट में हनुमान मंदिर के सामने भयानक बम ब्लास्ट हुआ। ब्लास्ट से दिवानी कैम्पस में भोला सिंह और कलेक्ट्रेट कैम्पस में ब्रह्म प्रकाश शर्मा, बुद्धि राजपटेल शहीद हो गये सैंकडो अधिवक्ता घायल हो गये थेतीन अधिवक्ताओं सहित कुल नौ लोग इस कायराना आतंकवादी हमले में शहीद हुए थे।

उधर बनारस बार के पुर्व महामंत्री नित्यानंद राय ने अठारह साल बाद भी बम ब्लास्ट के आरोपियों के पकडे ना जाने पर आक्रोश व्यक्त किया है और जिला जज को लिखित प्रत्यावेदन देकर जांच सी बी आई को देने की मांग की है साथ ही कचहरी की सुरक्षा सी आई एस एफ के हवाले करने की मांग की है।

# भगवंत सिंह मान और अरविंद केजरीवाल की ओर से सर्व धर्म सम्मेलन के दौरान विश्व भर के धार्मिक नेताओं के साथ नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी को श्रद्धा एवं सम्मान भेंट

## ■ श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस को समर्पित समागम पूरे साल चलेंगे-मुख्यमंत्री

**संजना भारती संवाददाता**

**श्री आनंदपुर साहिब।** नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित सर्व धर्म सम्मेलन में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज विश्व भर के सम्मानित धार्मिक नेताओं के साथ गुरु साहिब जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर उपस्थित बड़ी संख्या में संगत को संबोधित करते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वे श्री गुरु तेग बहादुर साहिब को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां एकत्र सभी धार्मिक नेताओं के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि पूरे इतिहास में शायद ही कोई ऐसी मिसाल मिलती हो जब किसी ने दूसरों के धर्म को बचाने के लिए शहादत दी हो। गुरु साहिब जी ने धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करते हुए महान बलिदान दिया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि दुनिया भर के धार्मिक नेता महान गुरु साहिब को श्रद्धांजलि देने के लिए पंजाब सरकार के साथ श्री आनंदपुर साहिब की पवित्र धरती पर पहुंचे हैं।

आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि गुरु साहिब ने मानवता का संदेश दिया और प्रदेश सरकार महान गुरु साहिब को श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से यह समागम आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि संगत की सुविधा के लिए प्रदेश सरकार ने बड़े स्तर पर प्रबंध किए हैं ताकि वे पवित्र नगरी में आकर सुगम और परेशानी रहित तरीके से नतमस्तक हो सकें। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि महान गुरु साहिब के चरण छूए प्रदेश के 142 गांवों की सूरत पंजाब सरकार द्वारा फंड प्रदान करके बदली जा रही है।

आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि दुनिया का हर धर्म हमें मानवता, दया और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की मूल्यों की शिक्षा देता है। उन्होंने कहा कि सर्व धर्म सम्मेलन का उद्देश्य सर्वत दा भला का संदेश देना है, जैसा कि हमारे सम्मानित सिख गुरुओं ने हमें सिखाया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हक-सच और धर्म की रक्षा के लिए बेमिसाल कुर्बानियां दी।

उन्होंने कहा कि गुरु साहिब जी ने हर व्यक्ति को अपनी अंतर-आत्मा के अनुसार अपना धर्म चुनने के अधिकार की रक्षा के लिए महान कुर्बानी दी। इतिहास गवाह है कि बहुत से लोगों ने अपने धर्म के लिए जानें कुर्बान की, लेकिन श्री गुरु तेग बहादुर जी ही वो महान शख्सियत हैं जिन्होंने दूसरों के धर्म की रक्षा के लिए अद्वितीय शहादत दी। अरविंद केजरीवाल ने लोगों से सद्भावपूर्ण और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए महान सिख गुरु के कदमों पर चलने का आह्वान किया।

इस दौरान अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार हमेशा सभी धर्मों के प्रति सम्मान बनाए रखने और प्रदेश में शांति, सद्भावना तथा भाईचारा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने कहा कि महान गुरुओं, संतों, पीर-पैगंबरों और शहीदों की पवित्र धरती पंजाब की एक शानदार और समृद्ध विरासत है। पंजाबियों को महान गुरु साहिबान से जुल्म, अन्याय और अत्याचार के खिलाफ लड़ने की भावना विरासत में मिली है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाबियों में हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने और अपनी क्षमता साबित करने की भावना हमेशा से रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी द्वारा दी गई कुर्बानी सर्वोच्च और बेमिसाल है, जिसका उद्देश्य दूसरों के धर्म की रक्षा करना था। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब ने मानवता और धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए महान बलिदान देकर विश्व के लिए मिसाल कायम की। भगवंत सिंह मान ने लोगों से मानवता की भावना के साथ गुरु साहिब द्वारा दिखाए धार्मिकता के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने मानव अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए दिल्ली जाकर शहादत दी, जिसकी मिसाल विश्व के इतिहास में कहीं नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि नौवें सिख पातशाह धर्मनिरपेक्षता, एकता और आपसी भाईचारे के सच्चे प्रतीक हैं। गुरु साहिब का जीवन और दर्शन संपूर्ण मानवता के लिए चिराग है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि प्रदेश सरकार नौवें सिख पातशाह के 350वें शहीदी दिवस को मनाने के लिए विभिन्न क्रमवार समागम आयोजित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये समागम आने वाले समय में भी जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब के शहीदी दिवस को मनाने के लिए हर साल समागम आयोजित किए जाएंगे। इसका एकमात्र उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों के लिए महान गुरु साहिब की शानदार विरासत को बनाए रखना है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पवित्र नगरी में श्रद्धा अर्पित करने आने वाली संगत की सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टेंट सिटी, विशाल पार्किंग के अलावा संगत की निःशुल्क सेवा के लिए लगभग 700 इलेक्ट्रिक रिक्शा, 20 मिनी बसें और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसी तरह श्री आनंदपुर साहिब आने वाली संगत को माथा टेकने के लिए सुगम और परेशानी रहित अनुभव देने के लिए बड़े स्तर पर प्रबंध किए गए हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि प्रदेश सरकार ने श्रीनगर से नगर कीर्तन सजाया है, जो पठानकोट, होशियारपुर और अन्य जिलों से होते हुए श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने के लिए पाठ्यक्रम में आवश्यक बदलाव करेगी। आने वाली पीढ़ियों को गुरु साहिब तथा भाई सती दास, भाई मती दास, भाई दयाला जी, बाबा जीवन जी (भाई जैता जी), भाई किरपा सिंह (पंडित किरपा राम) जैसे महान शहीदों के अथाह योगदान से अवगत कराने के लिए शिक्षा पाठ्यक्रम में जरूरी बदलाव किए जाएंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह प्रदेश और इसके लोगों की समृद्ध विरासत है, जिसे संभाल कर रखना प्रदेश सरकार का फर्ज है।

# सेन्ट्रल बार एसोसिएशन 15 फरवरी के बाद चुनाव करायेगा-राजेश गुप्ता

**एसबी संवाददाता**

**वाराणसी।** दी सेन्ट्रल बार एसोसिएशन बनारस में दिसम्बर महीने में चुनाव कराने के लिए अधिवक्ताओं का एक वर्ग लामबंद होकर चुनाव कराने के लिए बार पर दवाब बना रहे थे, जिसके परिपेक्ष्य में दी सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मंगलेश दुबे ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं व पूर्व अध्यक्ष गण की एक राय मसविदा हेतु बैठक आहुत किये जिसमें शिवानन्द पाण्डेय, विजय शंकर रस्तोगी, अमरनाथ शर्मा, राजेन्द्र सिंह, अशोक सिंह प्रिंस, सुरेश श्रीवास्तव, प्रमोद पाठक, अश्वनी गुप्ता व अजय श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

बैठक में बार कौसिंल आफ इण्डिया के पत्र के परिपेक्ष्य में 15 फरवरी 2026 तक चुनाव न कराये जाने के आदेश में

राजेश कुमार गुप्ता
महामंत्री सेन्ट्रल बार एसोसिएशन

सेन्ट्रल बार एसोसिएशन से पत्र लिखकर अनुमति मांगे जाने को कहा गया जिस पर सेन्ट्रल बार द्वारा चेयरमैन बार कौसिंल आंफ उत्तर प्रदेश को पत्र भेजा गया। यह जानकारी रविवार को सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के महामंत्री राजेश गुप्ता ने मिडिया से साझा किया।

उपरोक्त पत्र के जवाब में सचिव बार कौसिंल आंफ उत्तर प्रदेश द्वारा यह आदेश पारित किया गया कि दी सेन्ट्रल बार एसोसिएशन की वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल 15 फरवरी, 26 तक रहेगा और 15 नवम्बर से 15 फरवरी, 26 के मध्य बार संघ का चुनाव न कराया जाये। यदि उपरोक्त आदेश का अवमानना एल्डर कमेटी करेगा तो बार कौसिंल आंफ इण्डिया के आदेश की अवहेलना की कार्यवाही के लिए बीसीआई को संदर्भित कर दिया जायेगा।

# पंजाब सरकार द्वारा प्रभावशाली ड्रोन शो के माध्यम से श्री आनंदपुर साहिब में श्री गुरु तेग बहादुर जी को श्रद्धांजलि भेंट

**संजना भारती संवाददाता**

**चंडीगढ़/श्री आनंदपुर साहिब।** नौवें सिख गुरु साहिब एवं हिंद दी चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित समागमों के हिस्से के रूप में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा आयोजित प्रभावशाली ड्रोन शो से पवित्र नगरी श्री आनंदपुर साहिब का आसमान प्रकाशमान हो उठा।

यह अनूठा हवाई शो धार्मिक स्वतंत्रता और मानवीय अधिकारों की खातिर गुरु साहिब एवं उनके अनुयायियों की अनुपम शहादत के प्रति गहरी श्रद्धांजलि थी।

इस ड्रोन प्रदर्शनी ने गुरु साहिब और उनके पैरोकारों की लासानी शहादत से जुड़े संपूर्ण दृश्यों को श्रद्धा और सूक्ष्मता से दशार्ते हुए प्रकाश एवं गति के अनोखे क्रम के जरिए ऐतिहासिक वृत्तांत को प्रस्तुत किया।

इस शो की शुरूआत मुगल शासक औरंगजेब के जालिम शासन के चित्रण से हुई, जिसके द्वारा सभी को इस्लाम धर्म में शामिल करने की इच्छा के कारण जजिया कर लगाने और जबरन धर्म परिवर्तन सहित बड़े पैमाने पर अनेकों अत्याचार किए गए थे। अपने धर्म की रक्षा के लिए श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शरण में आए कश्मीरी पंडितों की दयनीय स्थिति को ठोस रूप में प्रस्तुत किया गया तथा ऑडियो के द्वारा जो सरण आवै तिसु कंठ लावै (जो कोई शरण में आता है, मैं उसे गले लगा लेता हूँ) के सिद्धांत के प्रति गुरु साहिब की दृढ़ प्रतिबद्धता को उजागर किया गया।

इस ड्रोन शो में आगे दिल्ली के चांदनी चौक में यातनाएं देकर गुरु के अनुयायिओं को शहीद करने के वृत्तांत को दशार्या गया। भाई मती दास जी को जीते जी आरे से चीरकर शहीद करने के दृश्य को ड्रोनों के साथ-साथ दिल को झकझोर देने वाली ऑडियो से जीवंत कर दिया गया। इसी तरह ड्रोनों के द्वारा भाई दयाला जी को जिंदा उबालने के अद्भुत साहस और भाई सती दास जी, जिन्हें रूई में लपेटकर जिंदा जला दिया गया था, उनकी शहादत को भी पूर्ण श्रद्धा के साथ प्रस्तुत किया गया।

शो के अंत में श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत का गंभीर चित्रण किया गया। ड्रोनों के माध्यम से गुरु साहिब द्वारा अपने सिद्धांतों को त्यागने से इनकार करने और मानवीय मूल्यों-गरिमा के लिए उनकी शहादत को श्रद्धा एवं गंभीरता के साथ प्रस्तुत किया गया तथा ऑडियो के जरिए जल्लाद द्वारा गुरु साहिब के पवित्र शीश को धड़ से अलग करने से ठीक पहले के अंतिम क्षणों का वर्णन किया गया।

यह शो गुरु जी के पवित्र शीश को भाई जैता जी द्वारा साहसपूर्वक श्री आनंदपुर साहिब लाये जाने और गुरू साहिब के अंतिम संस्कारों की श्रद्धा एवं उदासी से भरी प्रस्तुति के साथ समाप्त हुआ, जिससे विरासत-ए-खालसा में एकत्र हुई संगत में श्रद्धा और सम्मान की गहरी भावना जागृत हुई। पूरे शो के दौरान पंजाबी वृत्तांत ने एक गहरा और ज्ञानवर्धक अनुभव प्रदान किया, जिसने संगत को इस घटना के ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व से जोड़ा गया।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार इस ऐतिहासिक दिवस को समर्पित समागमों में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके यह सुनिश्चित कर रही है कि नौजवान पीढ़ी और पूरी दुनिया को नौवें गुरु साहिब एवं उनके पैरोकारों के जीवन, दर्शन और अनुपम शहादत से परिचित कराया जाए तथा विश्व इतिहास में धार्मिक स्वतंत्रता के सबसे बड़े रक्षक के रूप में उनकी विरासत को उजागर किया जाए। यह अनोखा ड्रोन शो गुरु साहिब के शहीदी दिवस को समर्पित समागमों के मुख्य आकर्षण में से एक है और यह पंजाब सरकार की प्रदेश की समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने तथा विश्व भर तक पहुँचाने की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

इस शानदार ड्रोन शो के दौरान दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सूचना एवं लोक संपर्क मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस, पर्यटन मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद, लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ., जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल, परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर, राजस्व मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां, विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल, विधायक बुद्ध राम, विधायक गुरदित्त सिंह सेखों तथा विधायक जसवंत सिंह गज्जणमाजरा उपस्थित रहे।

## पुस्तक समीक्षा

# आत्मा की गूँज, मनमोहक काव्य-यात्रा 'Echoes of the Soul'

**-नरेंद्र धवन**

**सिम्मी** गुरवारा का 'Echoes of the Soul' एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला कविता संग्रह है जो आपको मोहित कर देगा। अपनी अनूठी शैली और दृष्टिकोण के साथ, गुरवारा मानवीय अनुभव की जटिलताओं को तलाशती हुई लेखिका हैं, जो अपने लेखन के माध्यम से हमारी आत्मा के सबसे अंधेरे कोनों में उतरती हैं और दिलों के सबसे छिपे हुए कोटरों को रोशन करती हैं। उनकी कविताएँ इस बात की याद दिलाती हैं कि मनुष्य अपने संघर्षों में अकेले नहीं हैं, कि उसकी भावनाएँ वैध हैं और वे अन्वेषण के योग्य हैं।

**गीतात्मक भाषा और गहन चित्रण:** गुरवारा की भाषा गीतात्मक और उद्दीपक है, जो आपके मन में सजीव चित्र उकेरती है जो पाठक के दिल को छू जाती है। उनका बिम्ब-विधान सुंदर भी है और क्रूर भी, जो जीवन की जटिलताओं और बारीकियों को दर्शाता है। पाठक खुद को पन्नों की ओर खिंचे चला आता है, और अधिक जानने के लिए उत्सुक होंगे और उन्हें छोड़ने को अनिच्छुक।

**निडर सत्यनिष्ठा और भावनात्मक गहराई:** एक बात जो पुस्तक की लेखिका सिम्मी गुरवारा को अलग करती है, वो है उनकी अटूट सत्यनिष्ठा और ईमानदारी। वह मुश्किल चीजों से कतराती नहीं हैं, डरती नहीं है बल्कि, वह साहस और करुणा के साथ उनका सामना करती हैं। उनकी कविताएँ घाव भरने, बदलने और उससे ऊपर उठने की कविता की शक्ति का एक प्रमाण हैं।

**मुझे मेरे पंख फैलाने दो-'लेट मी स्प्रेड माई विंग्स' कविता की ये पंक्तियाँ एक आंतरिक दृढ़ता और स्वतंत्रता की भावना को व्यक्त करती हैं:**

'लेट मी स्प्रेड माई विंग्स बिफोर आई से गुडबाय आई विल फाइंड ए फार-ऑफ लैंड टू रेस्ट टिल आई फ्लटर माई विंग्स अगेन एंड फ्लाई'

(इससे पहले कि मैं अलविदा कहूँ, मुझे अपने पंख फैलाने दो मैं आराम के लिए एक दूर देश ढूँढूंगी जब तक मैं फिर से अपने पंख फड़फड़ाती हूँ और उड़ान भरती हूँ)

**लेखन शैली की विशेषताएँ**

'Echoes of the Soul' में सिम्मी

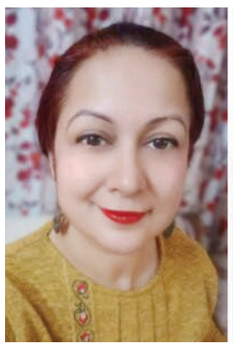

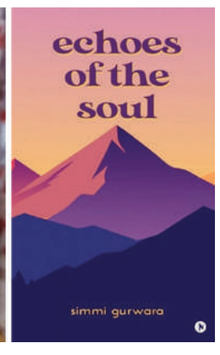


गुरवारा की लेखन शैली गीतात्मकता, गहराई और भावनात्मक प्रतिध्वनि का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

**सजीव बिम्ब-विधान:** उनकी कविता की विशेषता उसके सजीव बिम्ब-विधान में है, जो पाठकों को संवेदी अनुभवों और रूपकों की दुनिया में ले जाती है जो कविता समाप्त होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रहती है।

**संगीत की गुणवत्ता:** उनके शब्दों में एक संगीतमय गुण है, जिसमें ध्वनि, लय और प्रवाह पर ध्यान दिया गया है, जिससे उनकी कविता को जोर से पढ़ना एक आनंददायक अनुभव बन जाता है। ध्वनि और संरचना पर यह ध्यान पाठक के साथ अंतरंगता और जुड़ाव की भावना पैदा करता है।

**भावनात्मक ईमानदारी:** वह दर्द, हानि और दिल टूटने जैसे कठिन विषयों को अटूट ईमानदारी से संभालती हैं; उनकी असुरक्षा को आशा और लचीलेपन की भावना से संतुलित किया जाता है। आध्यात्मिकता और मानवीय अनुभव की उनकी खोज उनके काम में गहराई और सार्वभौमिकता जोड़ती है, जिससे उनकी कविता विविध पृष्ठभूमि के पाठकों के लिए प्रासंगिक और सुलभ हो जाती है।

**अनूठी आध्यात्मिक प्रतिध्वनि**

जो चीज गुरवारा को अन्य कवियों से अलग करती है, वह है कोमल भावना और आध्यात्मिक अंतधार्ाओं का उनका अनूठा मिश्रण। उनकी कविता केवल उनके अपने अनुभवों का प्रतिबिंब नहीं है, बल्कि यह मानवीय स्थिति को दशार्ने वाला एक दर्पण है। उनकी आवाज विशिष्ट, प्रामाणिक और प्रासंगिक है, जिससे उनकी कविता एक करीबी दोस्त के साथ बातचीत जैसी महसूस होती है।

'Echoes of the Soul' के साथ, गुरवारा समकालीन कविता में एक मजबूत आवाज के रूप में खुद को स्थापित करती हैं, जो निश्चित रूप से लंबे समय तक पाठकों के साथ गूंजती रहेगी।

यदि आप एक कविता संग्रह की तलाश में हैं जो आपको चुनौती दे, प्रेरित करे और आंदोलित करे, तो 'Echoes of the Soul' अवश्य पढ़ा जाना चाहिए। सिम्मी गुरवारा एक ऐसी कवयित्री हैं जिन पर नजर रखनी चाहिए, और उनका यह पहला संग्रह एक अद्भुत उपलब्धि है।

यह संग्रह महत्वाकांक्षा और स्वप्नदर्शिता की भावना को इन प्रेरणादायक पंक्तियों के साथ समाप्त करता है।

(लेखिका-सिम्मी गुरवारा)

# पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर पूर्वमंत्री आबिद रजा ने नेता जी के चित्र पर मालार्पण किया

**संजना भारती ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन बदायूं।** पूर्व मंत्री आबिद राजा के आवास 786 रजा हाउस पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा के संस्थापक व देश के पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव जी के 86वें जन्मदिन पर समाजवादी पार्टी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने पूर्व मंत्री आबिद रजा के नेतृत्व नेता जी के चित्र पर माल्यार्पण किया।

इस मौके पर पूर्व मंत्री आबिद रजा ने कहा माननीय नेताजी एक महान व्यक्ति थे वह लौह पुरुष थे। नेताजी का नाम ही बड़ा था नेताजी की विचारधारा देश के लिए बहुत बेहतर थी। नेताजी युवाओं के आदर्श थे। विपक्षी भी नेताजी का लोहा मानते थे। नेताजी किसानों गरीबों और युवाओं के नेता थे उन्होंने अपने जीवन में बहुत संघर्ष कर ख्याती प्राप्त की युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

इस अवसर पर ओमवीर सिंह यादव, फरहत सिद्दीकी, सभासद अनवर खा, नवेद सभासद, पूर्व सभासद विश्राम सिंह यादव, शशांक यादव, मोहम्मद मियाँ, मोतशाम सिद्दीकी, अनीस सिद्दीकी, जमील सिद्दीकी, अनवार नजर, अली अल्वी, यूनिस अल्वी, कौसर अली, शहंशाह, बिलाल, सदाकत, नफिसर, औवैस मियां पूर्व प्रधान, जाहिद गाजी, मुजाहिद पीरजी, जाहिद चौधरी, शब्बन खां, छुट्टन उस्मानी, डिंपल, शकील पप्पन पीर जी, भइये भाई, अशरफ गाजी, छोटू, नीरज राठौर, फहीम, समीर अंसारी आदि मौजूद रहे।

# दिव्यांगजनों हेतु सहायक उपकरण वितरण शिविर की संशोधित तिथियाँ घोषित

**संजना भारती ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन बदायूँ।** जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रणव कुमार पाठक ने जानकारी देते हुए बताया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजनान्तर्गत दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप ट्राइसाइकिल, बैशाखी, स्मार्ट केन, श्रवण यंत्र एवं व्हीलचेयर सहित अन्य सहायक उपकरण निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि ऐसे दिव्यांगजन, जिन्हें वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 के दौरान राज्य सरकार अथवा किसी अन्य स्रोत से कोई भी सहायक उपकरण प्राप्त नहीं हुआ है, उनके लिए विकास खण्ड मुख्यालयों पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विकास खण्ड दातागंज एवं समरेर में 25 नवम्बर 2025 को आयोजित होने वाला शिविर, श्री तेग बहादुर जी के बलिदान दिवस पर घोषित सार्वजनिक अवकाश के कारण स्थगित कर दिया गया है तथा अब यह शिविर 27 नवम्बर 2025 (गुरुवार) को आयोजित किया जाएगा। इसी प्रकार म्याऊँ एवं उसांवा में 26 नवम्बर 2025 (बुधवार) को शिविर आयोजित होगा, जिसमें इच्छुक दिव्यांगजन उपस्थित होकर अपना चिन्हांकन एवं पंजीकरण कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि निःशुल्क सहायक उपकरण प्राप्त करने के इच्छुक दिव्यांगजन विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं। पंजीकरण के लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र अथवा यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड, एक पासपोर्ट साइज फोटो, आय प्रमाण पत्रकृजिसमें वार्षिक आय शहरी क्षेत्र में 56,460 रुपए तथा ग्रामीण क्षेत्र में 46,080 रुपए से अधिक न होकृतथा उपकरण हेतु चिकित्सा अधिकारी की संस्तुति प्रमाण पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा।

# हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने जनसुनवाई में सुनी सैकड़ों फरियादें

## ■ अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही किया समाधान

**एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी**

**करनाल।** हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष एवं घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण ने करनाल चीनी मिल रेस्ट हाउस में आयोजित विशाल जनसुनवाई कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों की समस्याएँ सुनीं। अधिकांश शिकायतों का उन्होंने मौके पर ही समाधान करवाते हुए शेष मामलों के लिए अधिकारियों को स्पष्ट समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

जनता से सीधे संवाद के दौरान श्री कल्याण ने कहा कि जनता की हर छोटी-बड़ी समस्या मेरी अपनी समस्या है। घरौंडा हलके का सर्वांगीण विकास और लोगों को त्वरित न्याय दिलाना मेरी प्राथमिकता है। मेरे दरवाजे चौबीसों घंटे जनता के लिए खुले हैं।

जनसुनवाई में ग्रामीणों ने गढ़ी बीरबल नेवल रोड पर कोहरे में दुर्घटनाओं को रोकने हेतु सफेद पट्टी लगाने, ढाकवाला में घरों के ऊपर से गुजर रही हाई-टेंशन लाइन हटाने, ऊंचा समाना मंदिर के सामने से बिजली का खंभा शिफ्ट करने, मोदीपुर जोहड़ की शेष दीवार पूरी करने, दिलावरा-ढाकवाला रोड का अधूरा कार्य पूरा करने, तथा शेखपुराझरसूलपुर ड्रेन पर पुल निर्माण जैसी मांगें रखीं।

इसके अलावा चूंडीपुर में खेतों के रास्तों की मरम्मत, डबरकी कलां स्कूल भवन निर्माण में तेजी, अमृतपुर कलां में सामुदायिक भवन निर्माण, तथा लालूपुरा-मेरठ रोड-यमुना बांध मार्ग के गड्ढे भरवाने की मांग भी रखी गई।

विधानसभा अध्यक्ष ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को आदेश दिया कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें और प्रत्येक कार्य निर्धारित समय में पूरा किया जाए।

कार्यक्रम में भारी संख्या में पहुंचे लोगों ने हरविन्द्र कल्याण की कार्यशैली, सक्रियता और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की सराहना की।

# हरियाणा में अतिरिक्त खाद-कीटनाशक की जबरन बिक्री पर सख्ती: कृषि मंत्री ने जारी की कड़ी चेतावनी

**एसबी संवाददाता**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने सभी सरकारी अधिकारियों और निजी उर्वरक-कीटनाशक डीलरों को सख्त निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट कहा कि किसानों को डीएपी या यूरिया के साथ अतिरिक्त खाद, जिंक, कीटनाशक या किसी अन्य कृषि सामग्री को जबरन खरीदने के लिए बाध्य करना पूरी तरह प्रतिबंधित है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी किसी भी जबरदस्ती पर तुरंत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

श्री राणा ने कहा कि किसानों को अवांछित उत्पाद खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। इस तरह की प्रथाएं अनैतिक हैं और केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों का सीधा उल्लंघन हैं। उर्वरक वितरण संबंधी स्पष्ट दिशा-निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। कोई भी अधिकारी या डीलर इन नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसे किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

कृषि मंत्री ने सभी जिला के कृषि उपनिदेशकों को ऐसे मामलों पर तुरंत संज्ञान लेने, मौके पर जांच करने और दोषियों के खिलाफ लाइसेंस निलंबन से लेकर आपराधिक मुकदमा दर्ज करने तक की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उल्लंघन करने वालों पर नजर रखने के लिए विशेष मॉनिटरिंग व्यवस्था सक्रिय कर दी गई है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि यदि कोई अधिकारी या डीलर डीएपी या यूरिया के साथ अतिरिक्त उत्पाद खरीदने का दबाव डालता है, तो किसान तुरंत टोल-फ्री नंबर 1800-180-1551 पर कॉल करें या जिला कृषि कार्यालय में शिकायत दर्ज कराएं। किसान ब्लॉक या जिला स्तर पर कृषि अधिकारियों को भी अपनी शिकायत दे सकते हैं। सरकार तुरंत कार्रवाई करेगी और दोषियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी।

उर्वरक उपलब्धता को लेकर चिंता दूर करते हुए श्री राणा ने कहा कि राज्य में रबी सीजन के लिए पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि हरियाणा को डीएपी और यूरिया की पर्याप्त आपूर्ति मिल चुकी है। केंद्र सरकार से नियमित रूप से सप्लाई जारी है और सभी जिलों में पर्याप्त बफर स्टॉक बनाए रखा गया है। कृषि मंत्री ने कहा कि उर्वरक का वितरण पैक्स, निजी डीलरों और हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के केंद्रों के माध्यम से किया जा रहा है। पीओएस मशीनों पर अनिवार्य बायोमेट्रिक सत्यापन ने कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाई है।

# विकास के प्रति प्रतिबद्ध: रविवार को सड़क निरीक्षण के लिए पहुंचे विधायक सतपाल जांबा

## ■ हाबड़ी-हजवाना सड़क बनेगी क्षेत्र की नई पहचान, 57.21 लाख की लागत से होगी तैयार

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार**

**पूंडरी।** विधायक सतपाल जांबा ने हाबड़ी से हजवाना तक बन रही सड़क निर्माण परियोजना का स्थल पर जाकर निरीक्षण किया। 57.21 लाख रुपये की लागत से तैयार हो रही यह सड़क क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिससे हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विधायक को निर्माण की प्रगति और गुणवत्ता संबंधी जानकारी दी। विधायक सतपाल जांबा ने संबंधित विभाग को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए और कार्य तय समय पर पूरा किया जाए। ओर गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि यह सड़क लंबे समय से क्षेत्र की बड़ी जरूरत थी। इसके निर्माण से हाबड़ी, हजवाना और आसपास के ग्रामीणों को एक सुरक्षित, सुगम और बेहतर मार्ग मिलेगा। मैं पुण्डरी के हर गांव और हर व्यक्ति से वादा करता हूँ कि क्षेत्र के विकास में किसी भी तरह की कमी नहीं आने दूंगा। जनता का सहयोग मिलता रहा तो विकास कार्यों की गति और तेज होगी। उन्होंने कहा कि यह सड़क न केवल आवागमन को आसान बनाएगी बल्कि विद्यार्थियों, किसानों, महिलाओं और कर्मचारियों की दैनिक यात्रा को भी सुगम बनाएगी। विधायक के निरीक्षण से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दिखाई दी। ग्रामीणों ने कहा कि विधायक सतपाल जांबा की सक्रियता और लगातार विकास कार्यों की पहल से पुण्डरी क्षेत्र में विकास की नई ऊर्जा देखने को मिल रही है। इस मौके पर ओम प्रकाश जांबा, जेई सुनील, सरपंच प्रतिनिधि हाबड़ी गुरविंदर सिंह और हजवाना सरपंच प्रतिनिधि सुरेंद्र कुमार भी उपस्थित रहे।

# मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना आर्थिक रूप से कमजोर सभी वर्गों के लिए एक सशक्त प्रयास: डीसी प्रीति

उपायुक्त कैथल प्रीति।

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार**

**कैथल।** डीसी प्रीति ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गों की बेटियों की शादी में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना संचालित की जा रही है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और बेटियों के विवाह के लिए प्रोत्साहन देने का एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत दी जाने वाली शगुन राशि में बढ़ोतरी की गई है। अब पिछड़ा वर्ग परिवार को विवाह के अवसर पर कन्यादान के रूप में 51 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इससे पहले यह राशि 41 हजार रुपये थी। प्रदेश सरकार के इस निर्णय से 1.80 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले हजारों पात्र परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की कन्याओं के विवाह में सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले पिछड़े वर्ग के परिवारों को उनकी बेटियों के विवाह के लिए, किसी भी वर्ग की महिला खिलाडियों को उनकी स्वयं की शादी के लिए और ऐसे दिव्यांग जोड़ों को जिनमें पति या पत्नी में से कोई एक भी दिव्यांग हो, को भी कन्यादान स्वरूप आर्थिक सहायता दी जाती है।

डीसी प्रीति ने बताया कि इस योजना के तहत अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति और टपरीवास समुदाय के पात्र परिवारों को पहले ही 71 हजार रुपये की राशि विवाह के अवसर पर दी जा रही है। वहीं, विधवा, तलाकशुदा, अनाथ या बेसहारा महिलाओं के पुनर्विवाह पर (यदि पहली शादी के समय योजना का लाभ नहीं लिया गया हो) को भी 51 हजार रुपये की राशि दी जाती है। यदि नवविवाहित दंपती दिव्यांग हैं, तो उन्हें भी 51 हजार रुपये की सहायता राशि मिलती है।

उन्होंने बताया कि योजना का लाभ उठाने के लिए विवाह के 6 महीने के भीतर विवाह पंजीकरण कराना जरूरी है। योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया को बहुत सरल और सुगम बनाया गया है ताकि पात्र व्यक्ति आसानी से लाभ उठा सकें। आवेदक http://shadi.edisha.gov.in/ पोर्टल पर जाकर मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं।

# प्रधानमंत्री मोदी 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में होंगे शामिल, करनाल में नगर कीर्तन यात्रा का भव्य स्वागत

**एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी**

**करनाल।** नौवें सिख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में निकाली जा रही नगर कीर्तन यात्राओं में से एक यात्रा का करनाल में भव्य स्वागत किया गया। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम का समापन 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

रविवार को नगर कीर्तन यात्रा कलंदरी गेट स्थित गुरुद्वारा डेरा कार सेवा से पंज प्यारे की अगुवाई और श्री गुरु ग्रंथ साहिब की छत्रछाया में रवाना हुई। यात्रा के दौरान मार्ग में जगह-जगह फूलों की वर्षा की गई और श्रद्धालुओं ने बोले सो निहाल, सत श्री अकाल और वाहेगुरु जी दा खालसा, वाहेगुरु जी दी फतह के जयकारों से वातावरण को भक्तिरस से भर दिया। यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं के लिए फलाहार, चाय, दूध आदि के स्टॉल लगाए गए। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी (एचएसजीएमसी) के अध्यक्ष जगदीश झींडा ने बताया कि यह यात्रा 14 नवंबर को फरीदाबाद से शुरू हुई थी और विभिन्न शहरों से होते हुए बीती रात करनाल पहुंची। आज यह तरावड़ी के गुरुद्वारा शीशगंज में विश्राम करेगी और कल सुबह कुरुक्षेत्र के लिए रवाना होगी। उन्होंने कहा कि नगर कीर्तन यात्रा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के उस सर्वोच्च बलिदान की स्मृति है, जो उन्होंने आस्था, अंतःकरण और धर्म की स्वतंत्रता की रक्षा हेतु न्यौछावर किया। उनका बलिदान साहस, समर्पण और मानवता के प्रति दृढ़ निष्ठा का प्रतीक है। यात्रा के स्वागत में स्थानीय विधायक जगमोहन आनंद, भाजपा नेता त्रिलोचन सिंह, एचएसजीएमसी सदस्य पलविंद्र सिंह सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। पूर्व सदस्य रतन सिंह सग्गू की ओर से महर्षि कश्यप चौक पर प्रसाद के रूप में फल वितरित किए गए।

यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों-महाराणा प्रताप चौक, सेक्टर-6 गुरुद्वारा नानकसर, सेक्टर-7 गुरुद्वारा सुखमणि साहिब, निर्मल कुटिया, सेक्टर-12 सचिवालय चौक और गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा मॉडल टाउन-से होती हुई आगे बढ़ी। हर स्थान पर श्रद्धालुओं ने गर्म दूध, चाय, लंगर व सेवा से संगत का स्वागत किया।

निर्मल कुटिया पर महंत सरपंच जी ने पंज प्यारे और सेवादारों को सिरोपा और श्री गुरु ग्रंथ साहिब के लिए रुमाला साहिब भेंट किया। मॉडल टाउन गुरुद्वारा में भी विशेष लंगर की व्यवस्था की गई।

नगर कीर्तन यात्रा तेजेंद्र पार्क, एनडीआरआई चौक, गीता द्वार, सलारु, दरड़, रंबा अड्डा, रंबा गांव से होती हुई तरावड़ी की ओर रवाना हो गई। यात्रा के प्रधान हरप्रीत सिंह नरूला ने बताया कि एचएसजीएमसी और जिला प्रशासन के सहयोग से यह यात्रा सुचारू रूप से संचालित की जा रही है।

# 10 साल पुराने आधार कार्ड को अपडेट करवाना आवश्यक: डीसी प्रीति

उपायुक्त कैथल प्रीति।

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार**

**कैथल।** डीसी प्रीति ने बताया कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार कार्ड को फ्री में अपडेट करने की तारीख को बढ़ाकर 14 जून 2026 कर दिया है। यह मुफ्त सेवा केवल माय आधार पोर्टल पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए नागरिकों को अपना डेमोग्राफिक डाटा, पता, डेट ऑफ बर्थ, मोबाइल नंबर आदि की जरूरत पड़ेगी। आधार अपडेट के लिए नाम, जन्मतिथि, रिहायशी प्रमाण पत्र या अन्य निर्धारित पहचान पत्र ऑनलाइन अपलोड करना होगा। डेडलाइन खत्म होने के बाद आधार अपडेट के लिए शुल्क देना होगा। ऑनलाइन अपडेट की सुविधा सिर्फ उन्हीं लोगों के लिए है, जिनका मोबाइल नंबर उनके आधार से लिंक है।

डीसी ने बताया कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आधार कार्ड सबसे अहम दस्तावेज है और 10 साल पुराने आधार कार्ड को अपडेट करवाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि यूआईडीएआई द्वारा आधार कार्ड को अपडेट करवाने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 14 जून 2026 कर दिया गया है। नागरिक स्वयं भी http://uidai.gov.in/ वेबसाइट पर जाकर अपना आधार कार्ड अपडेट कर सकते हैं। इसके अलावा किसी भी सीएससी व आधार सेंटर पर जाकर अपना आधार कार्ड अपडेट करवाया जा सकता है।

# मानव कल्याण को समर्पित होता है संत जीवन: डॉ. अरविंद शर्मा

**एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी**

**करनाल।** सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि संतों का जीवन हमेशा मानव कल्याण को समर्पित होता है। संत कबीरदास और संत गरीबदास जैसी महान विभूतियों की वाणियां न केवल जीवन में सरलता लाती हैं, बल्कि देश और समाज को मजबूत बनाने के लिए प्रेरणा भी देती हैं।

रविवार को डॉ. अरविंद शर्मा गांव मुनक स्थित श्री साहेब प्रेमदास आश्रम में आयोजित श्री सतगुरु साहेब प्रेमदास जी महाराज की स्मृति में आयोजित 35वें विशाल संत सम्मेलन में पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संत निस्वार्थ होते हैं, उनकी कोई जाति नहीं होती। संत समाज में धर्म भावना की अलख जगाते हैं और लोगों में संयम, धैर्य और सकारात्मकता का संचार करते हैं। उन्होंने बताया कि महंत धूनीदास महाराज पिछले 20 वर्षों से धर्म प्रचार-प्रसार में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। झज्जर स्थित उनके आश्रम में हर वर्ष 10 से 12 नवंबर तक संत कबीरदास व संत गरीबदास की वाणियों का सत्संग आयोजित किया जाता है।

आश्रम में विकास कार्यों के लिए मंत्री ने अपने स्वैच्छिक कोष से 5 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में संत विजेंद्र दास महाराज, संत रविंद्र दास महाराज, संत सुरेशानंद महाराज, संत जितेंद्र दास महाराज सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# देवदर्शन योजना के तहत चमकाएंगे चुलकाना धाम: डॉ. अरविंद शर्मा

## ■ सनातन धर्म एवं राष्ट्रीय एकता का भाव होगा मजबूत

**एसबी संवाददाता**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के सहकारिता, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में समान रूप से विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार चुलकाना धाम को देवदर्शन योजना के तहत संवारकर विकसित करेगी। उन्होंने कहा कि भजन सम्राट कन्हैया मित्तल और श्याम भक्तों द्वारा पानीपत से चुलकाना धाम तक निकाली जा रही श्री श्याम भव्य निशान यात्रा न केवल सनातन धर्म को सुदृढ़ करेगी, बल्कि राष्ट्रीय एकता की भावना को भी और प्रबल बनाएगी।

रविवार को पानीपत के समालखा में श्री नवयुवक खाटू श्याम मित्र मंडल के सौजन्य से तथा भजन सम्राट कन्हैया मित्तल के नेतृत्व में आयोजित पानीपत-चुलकाना धाम श्री श्याम भव्य निशान यात्रा में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सहभागिता की। पदयात्रा के दौरान खाटू नरेश की जय, हारे के सहारे की जय, तीन बाणधारी की जय, शीश के दानी की जय के जयघोष गूंजते रहे। इसी उत्साहपूर्ण वातावरण में डॉ. अरविंद शर्मा ने श्याम भक्तों को संबोधित किया।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि बाबा श्याम के चरणों में चुलकाना धाम आने का उन्हें निरंतर सौभाग्य प्राप्त होता रहा है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की गहरी आस्था से जुड़े इस धाम को देवदर्शन योजना के अंतर्गत विकसित करते हुए उत्कृष्ट सड़कें एवं सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी, जिससे किसी भी भक्त को असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि बाबा श्याम की प्रेरणा से सभी मिलकर चुलकाना धाम को और भव्य स्वरूप देंगे। भजन सम्राट कन्हैया मित्तल की भव्य निशान यात्रा की सराहना करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि उनके विचार सनातन धर्म की मजबूती और जन-जन को राष्ट्रीय एकता के साथ जोड़ने वाले हैं।

# श्रीमद्भागवत कथा सुनने से जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट होते हैं: आचार्य लाल मणी

## ■ श्री खाटू श्याम मंदिर, करनाल में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

**एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी**

**करनाल।** पुरानी अनाज मंडी स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में शनिवार को श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। मंदिर परिसर भक्तिरस से सराबोर रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर कमेटी के सदस्यों व यजमानों ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की।

पानीपत से पधारे कथावाचक आचार्य लाल मणी जी ने श्रीमद्भागवत महात्म्य का वर्णन करते हुए कहा कि जैसे मृग सिंह को देखकर भाग जाता है, वैसे ही भागवत कथा सुनने से पाप भी दूर भाग जाते हैं। उन्होंने कहा कि करोड़ों जन्मों का पुण्य उदय होने पर ही इस परम पवित्र कथा को सुनने का सौभाग्य मिलता है।

आचार्य जी ने धुंधकारी मोक्ष, गोकर्ण जी, तथा आत्मा देव जी की कथाओं का वर्णन करते हुए बताया कि श्रीमद्भागवत कथा जीव को कल्याण के मार्ग पर ले जाती है।

इस कथा को सुनने से जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं, मन को शांति मिलती है और व्यक्ति मोक्ष की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत सुनने से सौ करोड़ यज्ञों के बराबर फल प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि यह दिव्य ज्ञान नारद जी की प्रेरणा से वेदव्यास जी को प्राप्त हुआ, जिन्हें उन्होंने अपने पुत्र सुखदेव मुनि को सुनाया और सुखदेव मुनि ने इसे राजा परीक्षित को उपदेशित किया। कलयुग में श्रीमद्भागवत ही परम कल्याण का मार्ग है। कार्यक्रम में मानव सेवा संघ के संस्थापक स्वामी प्रेममूर्ति जी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य सेवक देसराज गुप्ता, राजेश गर्ग, महेंद्र गुप्ता, अनिल गर्ग, रामकरण गोयल, अशोक सिंघला, पवन गुप्ता, राजेश सिंघला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।